श्रमसाधना

श्रम की शक्ति, राष्ट्र की प्रगति

हम बनेंगे आपकी आवाज
स्कैन करें और चैनल से जुड़े

shramsadhnagwl@gmail.com
www.shramsadhnanews.com

दैनिक सांध्यकालीन
RNI रजि. क्र. 50069/89

वर्ष : 38, अंक : 37 ग्वालियर, मंगलवार 01 सितंबर 2026
विक्रम संवत् 2083 पृष्ठ 12, मूल्य 1 रुपया

डाक पंजीयन
L-2-13/समा.पत्र/पं. 40020181/22-23

मेला मैदान में कल होगा आयोजन, कृषि-सहकारिता सहित खेती-किसानी से जुड़ी योजनाओं की लगेगी प्रदर्शनी

बलराम जयंती पर ग्वालियर में होगा किसान समागम, मुख्यमंत्री होंगे मुख्य अतिथि

ग्वालियर जीएनएस

बलराम जयंती के उपलक्ष्य में 2 सितंबर को ग्वालियर के मेला मैदान में भव्य बलराम जयंती महोत्सव एवं किसान समागम आयोजित किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव कार्यक्रम के मुख्य अतिथि होंगे। आयोजन की तैयारियों को लेकर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सोजान सिंह रावत ने सोमवार को अंतरविभागीय समन्वय बैठक में विभागवार तैयारियों की समीक्षा की।

किसानों की सुविधा के लिए सेक्टरवार होगी व्यवस्था : जिला पंचायत सीईओ ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आयोजन से संबंधित सभी शेष तैयारियां जल्द पूरी करें। विभाग आपसी समन्वय से ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित करें, जिससे किसान और हितग्राही आसानी से निर्धारित सेक्टर तक पहुंच सकें। प्रत्येक सेक्टर में पेयजल की पर्याप्त व्यवस्था करने के निर्देश भी दिए गए।

कार्यक्रम स्थल पर आयुष्मान कार्ड और आधार कार्ड बनाने के लिए अलग-अलग काउंटर लगाए जाएंगे। साथ ही स्वरोजगारमूलक योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए शिविर में हितग्राहियों के आवेदन भी भरवाए जाएंगे।

कृषि व सहकारिता योजनाओं की दिखेगी झलक : मेला मैदान में कृषि, सहकारिता और खेती-किसानी से जुड़े विभागों की प्रदर्शनी लगाई जाएगी। इनमें शासकीय योजनाओं और किसानों के लिए संचालित कार्यक्रमों की जानकारी दी जाएगी। जिला पंचायत सीईओ ने प्रदर्शनी सेक्टर को इस तरह व्यवस्थित करने के निर्देश दिए, जिससे किसान आसानी से सभी स्टॉल तक पहुंच सकें।

किसान क्रेडिट कार्ड पोर्टल का होगा शुभारंभ : मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा कार्यक्रम में ऑनलाइन किसान क्रेडिट कार्ड पोर्टल का शुभारंभ प्रस्तावित है। इसके साथ ही शून्य प्रतिशत ब्याज योजना के सरलीकरण, कृषक कवच योजना तथा प्रदेश में नवीन पंजीकृत करीब 200 प्राथमिक कृषि सहकारी संस्थाओं के कार्यालयों का शुभारंभ भी प्रस्तावित है।

उन्नत किसानों का होगा सम्मान : समारोह में नवीन सदस्यों को अंशपूंजी प्रमाण-पत्र वितरित किए जाएंगे। प्रदेश के उत्कृष्ट जिला सहकारी बैंकों को प्रमाण-पत्र प्रदान करने के साथ गौ-संवर्धन, जैविक एवं उद्यानिकी खेती कर रहे उन्नत कृषकों का सम्मान भी प्रस्तावित है।

लंपी वायरस से बचाव के लिए टीकाकरण पर जोर : बैठक में जिला पंचायत सीईओ सोजान सिंह रावत ने उप संचालक पशु चिकित्सा को गौवंश को लंपी वायरस से बचाने के लिए प्रभावी कदम उठाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि टीकाकरण के साथ ही जिन गायों में संक्रमण के लक्षण पाए जा रहे हैं, उन्हें अन्य पशुओं से अलग रखकर उचित उपचार एवं देखभाल की व्यवस्था की जाए। विभागीय अमले को इस कार्य को गंभीरता से करने के निर्देश दिए गए।

स्वच्छ स्कूल प्रतियोगिता का प्री-कॉम्पिटिशन 2 सितंबर को

ग्वालियर जीएनएस

नगर निगम की ओर से शहर के 22 शासकीय, अर्धशासकीय एवं केंद्रीय विद्यालयों के बीच आयोजित की जा रही स्वच्छ स्कूल प्रतियोगिता का प्री-कॉम्पिटिशन 2 सितंबर को बाल भवन में होगा। प्रतियोगिता में चयनित बच्चों के बीच 3 सितंबर को राजमाता विजयाराजे कृषि विश्वविद्यालय के दंतोपंत ठेंगड़ी भवन में फाइनल मुकाबला आयोजित किया जाएगा।

अगस्त से चल रहा स्वच्छता जागरूकता अभियान : अपर आयुक्त टी. प्रतीक राव के निर्देशन में अगस्त माह से नगर निगम की स्वच्छता टीमें स्कूलों में पहुंचकर विद्यार्थियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक कर रही हैं। बच्चों को स्वच्छ सर्वेक्षण के मापदंडों की जानकारी देने के साथ स्कूलों में वाद-विवाद और ड्राइंग प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गईं।

अब सभी चयनित स्कूलों के बच्चों के बीच 2 सितंबर को बाल भवन के एक्यूआई भवन में वाद-विवाद प्रतियोगिता होगी। इसी प्रतियोगिता के आधार पर फाइनल के लिए बच्चों का चयन किया जाएगा।

फाइनल में नुक्कड़ नाटक और पुरस्कार वितरण : 3 सितंबर को होने वाली फाइनल प्रतियोगिता में विजेता बच्चों को नगर निगम की ओर से आकर्षक पुरस्कार दिए जाएंगे।

'एक शाम मुकेश के नाम' में कलाकारों ने दी शानदार प्रस्तुतियां

पाखी इवेंट एंड म्यूजिकल ग्रुप के कलाकारों का सम्मान

ग्वालियर जीएनएस

महाराज बाड़े पर पाखी इवेंट एंड म्यूजिकल ग्रुप की ओर से 'एक शाम मुकेश के नाम' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में गायकों ने मुकेश के सदाबहार गीतों की शानदार प्रस्तुतियां देकर श्रोताओं का मन मोह लिया। संगीत प्रेमियों ने कार्यक्रम का आनंद लिया और कलाकारों की प्रस्तुतियों की सराहना की।

नए कलाकारों को मंच देने की सराहना : कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ग्वालियर विकास प्राधिकरण के वाइस चेयरमैन सुधीर गुप्ता ने आयोजन के लिए संस्था और आयोजकों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि नए और प्रतिभाशाली कलाकारों को मंच उपलब्ध कराना सराहनीय पहल है। ऐसे आयोजनों से कलाकारों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिलता है। उन्होंने संस्था को नए कलाकारों को आगे बढ़ाने के लिए धन्यवाद भी दिया।

कलाकारों को मोमेंटो देकर किया सम्मानित : इस अवसर पर सुधीर गुप्ता ने कार्यक्रम में प्रस्तुति देने वाले कलाकारों को मोमेंटो भेंट कर सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कलाकारों का उत्साहवर्धन करते हुए भविष्य में भी इसी तरह बेहतर प्रस्तुतियां देने के लिए शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में डायरेक्टर सुनील जैन, प्रदीप गर्ग, डीएसपी संतोष नेगी, नीरज जैन, राकेश शुक्ला, हरीश बत्रा, आशा पाटील, दिनेश जैन, सुनील शर्मा, नंदकिशोर पारीक, बीपी निगम सहित गायक, गणमान्य नागरिक, मातृशक्ति एवं बड़ी संख्या में युवा उपस्थित रहे।

सुभाष नगर के गायत्री जागृति केंद्र में महामृत्युंजय, सूर्य व इंद्र मंत्र की दी आहुतियां

देव कन्याओं ने कराया गायत्री यज्ञ, अन्नप्राशन व पुंसवन संस्कार भी संपन्न

ग्वालियर जीएनएस

सुभाष नगर हजीरा स्थित गायत्री जागृति केंद्र में मंगलवार को देव कन्याओं के आचार्यत्व में गायत्री यज्ञ का आयोजन किया गया। सुबह 8 बजे आचार्य वंशिका भदौरिया, परी भारद्वाज, आराध्या चौहान एवं ज्योति ने विधि-विधान से यज्ञ संपन्न कराया। यज्ञ के साथ एक अन्नप्राशन और एक पुंसवन संस्कार भी कराया गया।

महामृत्युंजय, सूर्य और इंद्र मंत्र की दी आहुतियां : यज्ञ में महामृत्युंजय मंत्र और सूर्य मंत्र के साथ अच्छी वर्षा की कामना को लेकर इंद्र मंत्र की आहुतियां दी गईं। श्रद्धालुओं ने धार्मिक वातावरण में यज्ञ में सहभागिता की।

स्तनपान व भोजन के समय गायत्री जप का दिया संदेश : कार्यक्रम में पूनम तोमर ने कहा कि 'जैसा खावे अन्न, वैसा बने मन'। उन्होंने कहा कि शिशु को स्तनपान कराने और भोजन खिलाने के समय गायत्री मंत्र का जाप करना चाहिए, ताकि मां का दूध और बच्चे का आहार सकारात्मक एवं पवित्र भावनाओं से युक्त हो सके।

500 दीपकों से सजाया शिव मंदिर : शाम को जाति की लाइन स्थित शिव मंदिर में देव कन्याओं द्वारा दीप यज्ञ कराया गया। मंदिर परिसर को 500 दीपकों से सजाया गया। दीप यज्ञ के दौरान श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर धार्मिक वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

50 से अधिक गायत्री परिजनों ने की सहभागिता : कार्यक्रम में गीता नरवरिया, ईश्वर प्रसाद, भोले राम, नारायण राठौर, जय नारायण, डॉ. ओपी शिवहरे सहित करीब 50 गायत्री परिजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम की जानकारी गायत्री शक्तिपीठ ग्वालियर के डॉ. प्रदीप गुप्ता ने दी।

पूर्णाहुति के साथ सावन मासका शिव अभिषेक व रुद्र यज्ञ संपन्न

ग्वालियर जीएनएस

गायत्री प्रज्ञा पीठ कंपू में गुरु पूर्णिमा से श्रावण पूर्णिमा तक चल रहे सावन मास के धार्मिक अनुष्ठान का सोमवार को पूर्णाहुति एवं कन्या भोज के साथ समापन हुआ। इस दौरान राष्ट्र के कल्याण, सुख-शांति और अंचल में अच्छी वर्षा की कामना से प्रतिदिन शिव अभिषेक, रुद्र यज्ञ और महामृत्युंजय जाप किया गया।

12 घंटे की जप साधना में जुटे परिजन : प्रज्ञा पीठ के ट्रस्टी शिववीर सिंह चौहान ने बताया कि सावन मास के दौरान प्रतिदिन सेवा, शिव अभिषेक एवं रुद्र यज्ञ के साथ 12 घंटे की महामृत्युंजय जाप साधना का अनुष्ठान किया गया। पूरे आयोजन में करीब एक हजार गायत्री परिजनों ने सहभागिता की। प्रतिदिन होने वाले शिव अभिषेक और रुद्र यज्ञ में लगभग 120 परिवार शामिल हुए।

हरियाली तीज पर महाकाल का श्रृंगार और 56 भोग : सावन मास के दौरान हरियाली तीज पर महाकाल का आकर्षक श्रृंगार किया गया और 56 भोग अर्पित कर प्रसाद का वितरण किया गया। 24 अगस्त को 'एक शाम मां के नाम' कार्यक्रम आयोजित हुआ, जिसमें करीब 250 परिजनों ने सहभागिता की।

स्व. दिनेश चंद्र गुप्ता की 15वीं पुण्यतिथि पर समाजसेवियों और बुजुर्गों का सम्मान

पोरसा, जीएनएस। पूर्व भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष, रेडक्रॉस सोसाइटी के पूर्व सचिव, शासकीय महाविद्यालय पोरसा की पूर्व अध्यक्ष तथा केमिस्ट एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष स्वर्गीय दिनेश चंद्र गुप्ता 'बाबूजी जोटई वाले' की 15वीं पुण्यतिथि माथुर वैश्य धर्मशाला, पोरसा में श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर आधा सैकड़ा से अधिक समाजसेवियों एवं बुजुर्गों का सम्मान किया गया।

कार्यक्रम में उपस्थित वक्ताओं ने स्वर्गीय दिनेश चंद्र गुप्ता के व्यक्तित्व एवं सामाजिक जीवन पर प्रकाश डालते हुए उनके द्वारा समाजहित में किए गए कार्यों को याद किया। वक्ताओं ने कहा कि स्वर्गीय गुप्ता ने सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाई और समाज के विभिन्न वर्गों के हित के लिए निरंतर कार्य किया।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने स्वर्गीय दिनेश चंद्र गुप्ता के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम का संचालन पूर्व भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष रामकुमार गुप्ता ने किया। इस अवसर पर डॉ. पीसी गुप्ता, अतुल गुप्ता, राजीव गुप्ता, अरुण गुप्ता अन्नू, डॉ. अश्विनी गुप्ता, राजकुमार व्यास, मोहर सिंह तोमर, साहब सिंह तोमर, रामरूप सिंह तोमर, बबलू बघेल, धीर सिंह तोमर, दिलदार सिंह तोमर, विश्वनाथ सिंह तोमर, बादशाह सिंह तोमर, राकेश उपाध्याय, हरिशंकर गुप्ता, अमरीश शर्मा, जसराम गुप्ता, संदीप परमार, अशोक सिंह तोमर, राजू तोमर, संतोष उपाध्याय, राजेश वर्मा, अवधेश तोमर आदि।

स्वाइन फ्लू को लेकर स्वास्थ्य विभाग अलर्ट, घबराएं नहीं, बरतें सावधानी

जिले में अभी नहीं मिला कोई मरीज, जिला अस्पताल में पर्याप्त बेड और उपचार की व्यवस्था--- सीएमएस

फिरोजाबाद, जीएनएस। स्वाइन फ्लू यानी एच1एन1 संक्रमण को लेकर स्वास्थ्य विभाग सतर्क हो गया है। जिले में फिलहाल स्वाइन फ्लू का कोई मामला सामने नहीं आया है। इसके बावजूद संभावित स्थिति से निपटने के लिए अस्पताल कर्मियों को तैयार रहने के निर्देश दिए गए हैं। जिला अस्पताल में मरीजों के उपचार के लिए पर्याप्त बेड और चिकित्सकीय व्यवस्था उपलब्ध रखने की तैयारी की गई है।

मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ.नवीन जैन ने लोगों से स्वाइन फ्लू के लक्षणों को नजरअंदाज नहीं करने की अपील की है। उन्होंने बताया कि तेज बुखार, लगातार खांसी, गले में खराश, सिरदर्द, शरीर में दर्द, अत्यधिक कमजोरी और सांस लेने में परेशानी होने पर तत्काल चिकित्सकीय सलाह लेनी चाहिए।

सीएमएस ने स्वास्थ्य अधिकारियों को सभी स्वास्थ्य इकाइयों में संभावित मरीजों की पहचान और निगरानी की व्यवस्था सक्रिय रखने के निर्देश दिए हैं। संदिग्ध मरीज मिलने पर उसकी सूचना तत्काल उपलब्ध कराने और अस्पताल में आवश्यक दवाओं व उपचार की व्यवस्था की समीक्षा करने को कहा गया है। उन्होंने बताया एक मरीज जो अपने ही शहर का निवासी था उसको जयपुर में स्वाइन फ्लू हो गया था अब वह स्वस्थ है परंतु कमजोरी की वजह से जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है

बचाव के लिए इन बातों का रखें ध्यान

स्वाइन फ्लू से बचाव के लिए खांसते या छींकते समय मुंह और नाक ढकने, हाथों को नियमित रूप से साफ करने और बीमार व्यक्ति के निकट संपर्क से बचने की सलाह दी गई है। भीड़भाड़ वाले स्थानों पर भी सावधानी बरतनी चाहिए। बच्चों, बुजुर्गों और पहले से गंभीर बीमारी से पीड़ित लोगों के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है।

महाराजा अग्रसेन जयंती महोत्सव समिति के कार्यालय का शुभारंभ

फिरोजाबाद, जीएनएस। श्री श्री 1008 महाराजा अग्रसेन जयंती महोत्सव समिति-2026 के कार्यालय का शुभारंभ रविवार को श्री महाराजा अग्रसेन कन्या विद्यालय, दुर्गा नगर में किया गया। इस दौरान अग्रवाल समाज के लोगों ने आगामी महाराजा अग्रसेन जयंती महोत्सव को भव्य बनाने को लेकर विचार-विमर्श किया।

कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि महाराजा अग्रसेन के आदर्शों एकता, समानता, सेवा, सहयोग और भाईचारे को जन-जन तक पहुंचाना सभी का दायित्व है। आगामी 11 अक्तूबर को निकलने वाली महाराजा अग्रसेन जयंती शोभायात्रा में समाज के सभी वर्गों से सक्रिय भागीदारी की अपील की गई। कार्यालय का उद्घाटन विद्यालय प्रबंधक ब्रजेश्वर बंसल, पूर्व कुलपति आगरा विश्वविद्यालय जीके अग्रवाल, नरेंद्र प्रकाश मित्तल %ईकरी%, हनुमान प्रसाद गर्ग, देवीचरन अग्रवाल और पीके झिंदल ने किया। समिति के संयोजक नमन बंसल %टंडन% ने अतिथियों और अग्रबंधुओं का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि समाज की एकजुटता और सामूहिक प्रयास से इस वर्ष की शोभायात्रा को ऐतिहासिक और यादगार बनाया जाएगा। इस अवसर पर ललितेश जैन, किशन बिहारी गर्ग, विपुल अग्रवाल, मुकेश बंसल %बाबा%, मोहन लाल जिंदल, प्रदीप टंडन, सुनील टंडन, मनोज बंसल %लल्ला%, अमित बंसल, विकास बंसल, राहुल गोयल, निपुन अग्रवाल, अमरराज झिंदल, अजय अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग मौजूद रहे। महिला संगठनों की ओर से सरिता अग्रवाल, आभा जैन, अर्चिका सिंघल और भावना अग्रवाल सहित अन्य महिलाएं उपस्थित रहीं।

23 मिशन शक्ति केंद्रों की टीमों को मिला विशेष प्रशिक्षण, साइबर अपराध से निपटने पर जोर

फिरोजाबाद, जीएनएस। महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के लिए चलाए जा रहे मिशन शक्ति-05 अभियान के तहत रविवार को पुलिस लाइन के बहुउद्देशीय हॉल में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला हुई। इसमें जिले के सभी 23 मिशन शक्ति केंद्रों के प्रभारी, टीम सदस्य और महिला रिक्रूट्स ने प्रशिक्षण लिया।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में आयोजित कार्यशाला में अपर पुलिस अधीक्षक नगर और क्षेत्राधिकारी सिरसागंज के मार्गदर्शन में मिशन शक्ति केंद्रों की कार्यप्रणाली को और प्रभावी बनाने पर जोर दिया गया।

पोर्टल पर शिकायतों के निस्तारण की दी जानकारी

प्रशिक्षण में मिशन शक्ति केंद्र पोर्टल के संचालन और उस पर प्राप्त शिकायतों के त्वरित एवं पारदर्शी निस्तारण की प्रक्रिया समझाई गई। महिलाओं से जुड़े आधुनिक और साइबर अपराधों की रोकथाम के लिए एसओजी, सर्विलांस और साइबर सेल की कार्यप्रणाली की भी जानकारी दी गई। अधिकारियों ने बताया कि मिशन शक्ति केंद्र का उद्देश्य थाने पहुंचने वाली पीड़ित महिला को आवश्यक सहायता उपलब्ध कराना है। पीड़िता की अगवानी से लेकर काउंसलिंग, कानूनी और चिकित्सकीय सहायता तथा पुनर्वास तक की प्रक्रिया को महिला केंद्रित बनाने पर जोर दिया गया। कार्यशाला में एंटी रोमियो स्क्वाड, महिला बीट और महिला हेल्प डेस्क के प्रभावी संचालन, महिला अपराधों से जुड़े मुकदमों की मॉनीटरिंग और महिलाओं के अधिकारों व सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाने पर भी चर्चा हुई। फिरोजाबाद पुलिस ने महिला सुरक्षा और सशक्तीकरण के साथ शिकायतों के निस्तारण में जवाबदेही सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता जताई।

बलराम जयंती महोत्सव एवं सहकारी किसान समागम की सभी तैयारियां समय रहते पूर्ण करें

ग्वालियर, जीएनएस। ग्वालियर में 2 सितम्बर को आयोजित होने वाले बलराम जयंती महोत्सव एवं सहकारी किसान समागम कार्यक्रम पूर्ण गरिमा और भव्यता के साथ आयोजित किया जाए। कार्यक्रम में आने वाले किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो, यह भी सुनिश्चित किया जाए। कार्यक्रम स्थल पर पेयजल एवं पार्किंग आदि की व्यवस्थायें भी सुनिश्चित की जाएं। संभागीय आयुक्त श्री मनोज खत्री ने सोमवार को बलराम जयंती महोत्सव एवं सहकारी किसान समागम के आयोजन के संबंध में विभागीय अधिकारियों से चर्चा करते हुए यह बात कही।

संभागीय आयुक्त कार्यालय के सभाकक्ष में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के 2 सितम्बर को ग्वालियर में आयोजित प्रस्तावित कार्यक्रमों की तैयारियों की समीक्षा की गई। बैठक में नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सोजान सिंह रावत, एडिशनल एसपी श्री सुजावल जग्गा, एसडीएम श्री अतुल सिंह, श्री नरेन्द्र बाबू यादव, श्री नरेशचंद गुप्ता सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। संभागीय आयुक्त श्री मनोज खत्री ने कहा है कि बलराम जयंती महोत्सव एवं सहकारी किसान समागम में आने वाले ग्वालियर एवं अन्य जिलों के किसानों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, उनके वाहनों के लिये व्यवस्थित पार्किंग व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। इसके साथ ही कार्यक्रम के लिये एक कंट्रोल रूम भी गठित किया जाए, जिसके माध्यम से कार्यक्रम में आने वाले किसानों को सभी सुविधाओं और आवागमन, पार्किंग के संबंध में सभी प्रकार की जानकारी प्रदान की जा सके। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम के दौरान शहर के यातायात प्रबंधन को भी व्यवस्थित रखा जाए। इसके लिये यातायात पुलिस के माध्यम से समाचार पत्रों एवं अन्य माध्यमों से नागरिकों को भी जानकारी प्रदान की जाए।

जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सोजान सिंह रावत ने ग्वालियर में 2 सितम्बर को आयोजित होने वाले कार्यक्रम की रूपरेखा के लिये प्रशासन द्वारा की गई तैयारियों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी ने भी नगर निगम के माध्यम से कार्यक्रम के संबंध में की जा रही व्यवस्थाओं के संबंध में भी विस्तार से जानकारी दी।

थाना माधौगंज पुलिस की बदमाश के खिलाफ कार्यवाही

थाना माधौगंज पुलिस ने वारदात की नियत से खड़े एक बदमाश को पकड़कर उससे 315 बोर का कट्टा व एक जिंदा राउण्ड किया जप्त

ग्वालियर, जीएनएस। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ग्वालियर श्री धर्मवीर सिंह (भापुसे) के निर्देश पर ग्वालियर पुलिस द्वारा अवैध हथियार रखने व खरीद फरोख्त करने वालों के खिलाफ अभियान चलाकर प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। इसी तारतम्य में दिनांक 30.08.2026 को थाना माधौगंज पुलिस को जरिए मुखबिर सूचना प्राप्त हुई कि एक व्यक्ति चिरवाई नाका रोड़ हनुमान मंदिर के पास अवैध हथियार लिए वारदात करने की नियत से खड़ा है। उक्त सूचना से वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया गया। जिस पर से अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्वालियर श्री सुजावल जग्गा(भापुसे) ने थाना माधौगंज पुलिस को मुखबिर सूचना की तस्दीक कर कार्यवाही कराने हेतु निर्देशित किया गया।

वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशानुसार सीएसपी लश्कर श्रीमती किरण अहिरवार के कुशल मार्गदर्शन में थाना प्रभारी माधौगंज उनि0 दिव्या तिवारी के द्वारा थाना बल की टीम को मुखबिर के बताये स्थान पर कार्यवाही करने हेतु भेजा गया। पुलिस टीम ने मौके पर जाकर देखा तो मुखविर के बताये हुए हुलिये का एक व्यक्ति पुलिस को देखकर छिपने की कोशिश करने लगा। जिसे घेरकर पुलिस द्वारा पकड़ लिया गया। पूछताछ में उसने अपना नाम पवन कुशवाह पुत्र पूरन कुशवाह उम्र 22 साल निवासी गोमती की फड़ी सखी बिहार कॉलोनी के पास गिरवाई ग्वालियर का होना बताया। पकड़े गये व्यक्ति की तलाशी लेने पर उसकी कमर मेंएक 315 बोर का देशी कट्टा खुरसा मिला एवं पेंट की जेब में एक 315 बोर का जिंदा राउण्ड मिला।

आरोपी पवन कुशवाह उक्त कृत्य धारा 25,27 आर्म्स एक्ट का पाये जाने से एक 315 बोर का देशी कट्टा एवं एक 315 बोर का जिन्दा राउण्ड विधिवत जप्त किया जाकर आरोपी से अवैध हथियार के संबंध में विस्तृत पूछताछ की जा रही है। आरोपी के खिलाफ थाना माधौगंज में अप0क्र0 क्रमांक 220/26 धारा 25/27 आर्म्स एक्ट का प्रकरण पंजीबद्ध किया गया।

जप्त हथियार– एक 315 बोर का कट्टा मय एक जिंदा राउण्ड।

सराहनीय भूमिका– थाना प्रभारी माधौगंज उनि0 दिव्या तिवारी, प्र.आर0 राजेश सिंह सिकरवार, प्रआर0 योगेन्द्र सिंह जादौन, आर0 जितेन्द्र तुरेले, मुकेश शर्मा, गौरव सिंह तोमर, देवेश कुमार, अतर सिंह की सराहनीय भूमिका रही।

पेंशन फाइल रोकना पड़ेगा भारी, हर स्तर पर तय हुई डेडलाइन

भोपाल, जीएनएस। प्रदेश में सरकारी सेवा से सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों के पेंशन प्रकरणों के निराकरण में होने वाली देरी अब अधिकारियों-कर्मचारियों को भारी पड़ सकती है। वित्त विभाग ने राज्य केन्द्रीयकृत पेंशन प्रोसेसिंग सेल (SCPPC) के तहत ऑनलाइन पेंशन प्रकरणों के निराकरण के लिए प्रत्येक स्तर पर अधिकतम समय-सीमा तय कर दी है। निर्धारित समय में प्रकरण का निराकरण नहीं होने पर संबंधित स्तर की जवाबदेही तय की जाएगी और आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

नई व्यवस्था के तहत किसी नवीन पेंशन प्रकरण को क्रियेटर, वेरीफायर और एप्रूवर के तीनों स्तरों से गुजरना होगा। प्रत्येक स्तर पर अधिकतम पांच-पांच कार्य दिवस निर्धारित किए गए हैं। इस तरह सामान्य नवीन पेंशन प्रकरण के लिए तीनों स्तरों पर कुल 15 कार्य दिवस की समय-सीमा तय है। वहीं पुनरीक्षित पेंशन और वेतन निर्धारण के मामलों में प्रक्रिया को और तेज किया गया है।

पुनरीक्षित पेंशन प्रकरण 10 दिन में होंगे पूरे

पुनरीक्षित पेंशन प्रकरणों के लिए क्रियेटर को अधिकतम चार कार्य दिवस, जबकि वेरीफायर और एप्रूवर को तीन-तीन कार्य दिवस में कार्यवाही पूरी करनी होगी। यानी ऐसे प्रकरण के लिए कुल 10 कार्य दिवस की अधिकतम समय-सीमा निर्धारित की गई है।

इसी तरह वेतन निर्धारण के प्रकरणों में क्रियेटर को पांच कार्य दिवस और वेरीफायर तथा एप्रूवर को तीन-तीन कार्य दिवस में कार्यवाही करनी होगी। इस प्रक्रिया के लिए कुल 11 कार्य दिवस निर्धारित किए गए हैं।

समीक्षा में सामने आए थे लंबे समय से लंबित मामले

वित्त विभाग द्वारा किए गए विभागीय अनुश्रवण और समीक्षा में सामने आया कि विभिन्न संभागीय और जिला कार्यालयों में स्क्क्क्ष्ट के अंतर्गत क्रियेटर, वेरीफायर और एप्रूवर स्तर पर पेंशन प्रकरणों के निराकरण में अपेक्षा से अधिक समय लग रहा है। कुछ प्रकरण लंबे समय से लंबित भी पाए गए। विभाग ने इसे शासन के निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुरूप नहीं माना है।

इसके बाद वित्त विभाग ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित समय-सीमा में प्रकरणों का निराकरण अनिवार्य रूप से सुनिश्चित किया जाए। इससे पेंशन प्रक्रिया में अनावश्यक विलंब रोकने के साथ प्रत्येक स्तर पर जिम्मेदारी तय होगी।

सेवानिवृत्ति का इंतजार नहीं, पहले ही तैयार होगा पेंशन प्रकरण

सरकार ने उन कर्मचारियों के मामलों पर भी विशेष जोर दिया है, जिनकी सेवानिवृत्ति आगामी महीनों में होने वाली है। ऐसे अग्रिम पेंशन प्रकरणों में स्वीकृति की कार्यवाही वित्त विभाग द्वारा निर्धारित प्रावधानों के अनुसार तय समयावधि में पूरी करनी होगी, ताकि कर्मचारी के सेवानिवृत्त होने के बाद पेंशन शुरू होने में अनावश्यक देरी न हो।

2025 में बना था केंद्रीकृत पेंशन सेल

शासकीय सेवकों के पेंशन प्रकरणों के त्वरित निराकरण के उद्देश्य से वित्त विभाग ने 9 जून 2025 के आदेश के माध्यम से राज्य केन्द्रीयकृत पेंशन प्रोसेसिंग सेल (SCPPC) का गठन किया था। 1 अप्रैल 2026 से पूर्व की व्यवस्था समाप्त कर ऑनलाइन पेंशन प्रकरणों का निराकरण एससीपीपीसी के माध्यम से किया जा रहा है।

राज्य केन्द्रीयकृत पेंशन प्रोसेसिंग सेल को नवीन पेंशन प्रकरणों के निराकरण के साथ पुनरीक्षित पेंशन प्रकरणों की स्वीकृति तथा सेवानिवृत्ति से दो वर्ष पूर्व तक विभागीय सक्षम अधिकारियों द्वारा किए गए वेतन निर्धारण के अनुमोदन की जिम्मेदारी भी दी गई है।

सरकार का संदेश साफ—पेंशन अधिकार में देरी बर्दाश्त नहीं

नई समय-सीमा व्यवस्था का उद्देश्य पेंशन प्रक्रिया को केवल ऑनलाइन करना नहीं, बल्कि समयबद्ध और जवाबदेह बनाना है। वित्त विभाग के निर्देशों से यह स्पष्ट है कि पेंशन प्रकरण किसी कार्यालय या अधिकारी के स्तर पर अनिश्चितकाल तक लंबित नहीं रह सकेंगे। प्रत्येक चरण के लिए समय निर्धारित होने से अब यह आसानी से तय किया जा सकेगा कि प्रकरण किस स्तर पर और कितने समय से लंबित है।

कर्बला, अब्बूलाला की दरगाह के पास की भूमि पर नगर निगम कर्मचारी कॉलोनी बनाए जाने की मांग

वहां रहने वाले कर्मचारी अपने परिवार के साथ भयभीत हैं, कभी भी भरभरा कर गिर सकतें हैं और बड़ी जनहानि होने का खतरा हो सकता है- सुन्दर बाबू चंचल - प्रदेश अध्यक्ष, उत्तर प्रदेशीय सफाई कर्मचारी संघ

आगरा, जीएनएस। कर्बला, बाईपास रोड, अब्बूलाला की दरगाह के पास लश्करपुर में गाटा संख्या 70 नगर निगम के स्वामित्व बाली करोड़ों रुपयों की रिक्त भूमि पर नगर निगम के महापौर का आवास/ शिविर कार्यालय, अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिये आवास बनाकर नगर निगम कॉलोनी बनबाये जाने की माँग करते हुए उत्तर प्रदेश स्थानीय निकाय कर्मचारी महासंघ के वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष विनोद इलाहाबादी व उत्तर प्रदेशीय सफाई कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष सुन्दर बाबू चंचल ने कहा है कि गाटा संख्या 70 की वैशकीमती रिक्त भूमि पर नगर निगम के आवास बनाये जाने की आवश्यकता है। नगर निगम के स्वामित्व बाली करोड़ों रुपयों की रिक्त भूमि पर नगर निगम के महापौर, अधिकारियों और कर्मचारियों के लिये आवास बनाये जाने चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि वर्तमान में नगर निगम के महापौर के लिये न तो आवास है, और ना ही शिविर कार्यालय की कोई व्यवस्था है। पूर्व महापौर इन्द्रजीत आर्य (वाल्मीकि) के कार्यकाल में सेक्टर 9 आवास विकास में महापौर आवास बनाया गया था। लेकिन अब उसमें लोहामण्डी जोन कार्यालय संचालित किया जा रहा है। आखिर में उन्होंने बताया कि लगभग पिछले 50 वर्षों में नगर निगम के कर्मचारियों के लिये नये आवास नहीं बनाये गये हैं। और उक्त पुराने आवास भी जर्जर हालत में हैं। वहां रहने वाले कर्मचारी अपने परिवार के साथ भयभीत हैं, वह कभी भी भरभरा कर गिर सकतें हैं और बड़ी जनहानि होने का खतरा हो सकता है। वहां जल्द से जल्द आवास बनाकर उक्त वेश कीमती भूमि को अनाधिकृत कब्जा होने से भी बचाया जा सकता है।

खुले में सीवर सिल्ट का मलवा खाली करने वाले निजी ठेकेदार के वाहन पर नगर निगम की कार्रवाई

ग्वालियर, जीएनएस। शमशान रोड, मुरार क्षेत्र में निजी ठेकेदार के निजी वाहन द्वारा खुले में सीवर सिल्ट का मलवा खाली किए जाने की शिकायत प्राप्त होने पर नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी ने तत्काल संज्ञान लेते हुए संबंधित वाहन को जप्त करने तथा वाहन स्वामी के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए। वाहन पर नगर निगम ग्वालियर लिखा हुआ था, लेकिन वाहन नगर निगम का नहीं है।

निगमायुक्त श्री चौधरी के निर्देशों के पालन में उपायुक्त स्वास्थ्य श्री मुकेश बंसल द्वारा स्वास्थ्य अधिकारी श्री भीष्म पमनानी को तत्काल कार्रवाई करते हुए संबंधित वाहन जप्त करने के निर्देश दिए गए। निर्देशों के अनुपालन में निगम के अधिकारियों द्वारा मौके पर कार्रवाई करते हुए सीवर सिल्ट का मलवा खुले में खाली करने वाले वाहन को जप्त कर लिया गया। जप्त किए गए वाहन को नगर निगम ग्वालियर की पूर्व विधानसभा डिपो में सुरक्षित रूप से खड़ा कराते हुए श्री अंकित सक्सेना को सुपुर्द किया गया। नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि शहर में सीवर सिल्ट, कचरा अथवा अन्य अपशिष्ट को खुले स्थानों पर अनाधिकृत रूप से खाली करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए।

सीवेज पंप हाउस पर शराब पिलाने की शिकायत पर निगमायुक्त ने दिए तत्काल कार्रवाई के निर्देश

ग्वालियर, जीएनएस। बिरला नगर स्थित सीवेज पंप हाउस पर कार्यरत ठेकेदार के कर्मचारी श्री अतुल द्वारा शराब पिलाए जाने संबंधी वीडियो के माध्यम से शिकायत प्राप्त होने पर नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी ने तत्काल संज्ञान लेते हुए संबंधित के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। निगमायुक्त श्री चौधरी के निर्देशों के पालन में अधीक्षण यंत्री पीएचई श्री एस.एल. बाथम द्वारा संबंधित ठेकेदार श्री बबलू धारीवाल, धारीवाल कंस्ट्रक्शन कंपनी को तत्काल पत्र जारी कर निर्देशित किया गया कि शिकायत में सामने आए कर्मचारी को तत्काल कार्य से हटाया जाए तथा संबंधित कर्मचारियों के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

कंदवा की नट बस्ती में 'उज्जवल पाठशाला' का शुभारंभ,बच्चों को मिलेगी निशुल्क शिक्षा

वाराणसी, जीएनएस। उज्जवल किरण जनकल्याण ट्रस्ट की पहल 'उज्जवल पाठशाला' के अंतर्गत कंदवा स्थित अमरा खैरा नट बस्ती में रविवार को निशुल्क शिक्षा कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया 7 कार्यक्रम का उद्देश्य बस्ती के बच्चों को शिक्षा से जोड़ना तथा उन्हें गुणवत्तापूर्ण निशुल्क शिक्षा उपलब्ध कराना है।

कार्यक्रम के तहत बच्चों को नियमित रूप से निशुल्क शिक्षा दी जाएगी इसमें फाउंडेशनल लिटरेसी एंड नुमैरेसी (एफएलएन)के माध्यम से बच्चों में पढ़ने, लिखने और गणित के बुनियादी ज्ञान एवं कौशल को विकसित करने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा 7 साथ ही किसी कारणवश नियमित विद्यालयी शिक्षा से दूर हो चुके बच्चों को दोबारा शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़कर विद्यालय में प्रवेश एवं आगे की पढ़ाई जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि लोक समिति के नंदलाल मास्टर एवं सौहार्द पीस सेंटर के फादर आनंद रहे 7 कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों एवं उज्जवल किरण जनकल्याण ट्रस्ट के अध्यक्ष अरविंद कुमार ने दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम का संचालन अधिवक्ता अबू हाशमी ने किया 7 इस पहल में डब्लू एच स्मिथ मेमोरियल स्कूल की प्रिंसिपल डाक्टर अनीता डे,रोटरी क्लब वाराणसी साउथ,एल वन कोचिंग दुर्गाकुण्ड के ब्रिजेश कुमार एवं अम्बर जी तथा होप रील्स प्रोडक्शन की ओर से सहयोग प्रदान किया जाएगा 7 इस सहयोग से बस्ती के बच्चों को नियमित रूप से निशुल्क शिक्षा उपलब्ध कराने में सहायता मिलेगी। इस अवसर पर फादर आनंद ने महात्मा ज्योतिबा फुले एवं सावित्रीबाई फुले के शिक्षा और सामाजिक सुधार के क्षेत्र में किए गए योगदान पर प्रकाश डाला 7 उन्होंने बच्चों को उनके जीवन और संघर्ष से प्रेरणा लेकर नियमित रूप से शिक्षा प्राप्त करने तथा अपने भविष्य को बेहतर बनाने के लिए प्रेरित किया ।

भिण्ड-गोरमी के समाचार विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें
महेश चौधरी
98267-36233

निष्पक्षता-विश्वसनीयता एवं जनहित का संवाहक
श्रमसाधना

संपादकीय

नौकरशाही को मजबूत करने के लिए कई सुधार जरूरी हैं

एक समय था जब एक अच्छे प्रशासनिक अधिकारी से 'ना' कहने की क्षमता रखने की अपेक्षा की जाती थी। ऐसा अधिकारी राजनेता से असहमति जताते समय इस बात को लेकर संकोच नहीं करता था कि कहीं इसे निष्ठा का अभाव तो न समझ लिया जाएगा। वहीं, राजनेता भी अक्सर अपने दृढ़ विश्वास के साथ खड़े रहने वाले अधिकारी के साहस का सम्मान करते थे।

वह सम्बंध अब धीरे-धीरे खत्म होता दिखाई दे रहा है। प्रशासनिक अधिकारियों को कभी भारत की 'स्टील फ्रेम' कहा जाता था। उनसे अपेक्षा की जाती थी कि देश में भले राजनीतिक बदलाव होते रहें, लेकिन वे निरंतरता कायम रखेंगे और असुविधाजनक होने पर भी हमेशा पेशेवर सलाह ही देंगे। मंत्री राजनीतिक इच्छा का प्रतिनिधित्व करते हैं। लेकिन सिविल सेवक से अपेक्षा की जाती थी कि वह मंत्री को यह बताए कि प्रशासनिक रूप से क्या संभव है, कानूनी रूप से क्या स्वीकार्य है और संस्थागत दृष्टि से क्या उचित है।

राजनेताओं को 'सहयोगी अधिकारियों' की जरूरत हमेशा से रही है। नौकरशाह भी दोषमुक्त नहीं हैं। वास्तव में, पूरी संभावना इसी बात की होती है कि खुद अधिकारी ने ही राजनेता को सुझाया हो कि वह समझौता करने को राजी है। लेकिन इस रवैये ने प्रशासनिक-सेवा के उस धर्म को कमजोर किया है, जिसके अनुसार अधिकारी की पहली निष्ठा उस संस्था के प्रति होनी चाहिए, जिसकी वह सेवा करता है। उसकी निष्ठा संविधान, कानून व जनहित के प्रति होनी चाहिए- न कि पद पर बैठे किसी व्यक्ति के प्रति।

नौकरशाही को समझौतापरस्ती के लाभ भी मिलते हैं - मनचाही पोस्टिंग, कार्यकाल में विस्तार, पदोन्नति, सत्ता के करीब रहने का अवसर या महज यह आश्वासन कि करियर में कोई बाधा नहीं डाली जाएगी। नतीजे में हमें मिलता है पारस्परिक सुविधाओं पर टिका एक गठजोड़। राजनेता वफादारी चाहता है; नौकरशाह संरक्षण। दोनों एक-दूसरे की जरूरतें पूरी करते हैं।

मुझे न्यूयॉर्क की एक घटना याद आती है, जब एक मंत्री के निजी सचिव (आईएएस अधिकारी) को मंत्री की पत्नी की अगवानी के लिए हवाई अड्डे पर पांच मिनट देरी से पहुंचने पर सार्वजनिक रूप से अपमानित किया गया था। पर उन्होंने बिना कोई विरोध किए उसे सह लिया, क्योंकि वे वह पद खोना नहीं चाहते थे।

अनुबंधित सेवा-शर्तों के तहत काम करने वाले अधिकारियों को अगर इस तरह सत्ता के सामने समर्पण करना पड़ता है तो यह लज्जास्पद है। उनके लिए पद से मिले आत्मसम्मान को फिर से हासिल करना जरूरी है, क्योंकि प्रशासनिक-सेवा ही वह जगह है, जहां सरकार के फैसले नागरिकों के लिए ठोस वास्तविकताओं में बदलते हैं- चाहे जमीन का अधिग्रहण हो, ठेके का आवंटन, लाइसेंस देना हो, किसी कर्मचारी का तबादला, किसी मकान को गिराना, सड़क का निर्माण या किसी लोगों को किसी योजना का लाभ देना हो। भ्रष्टाचार तभी फलता-फूलता है, जब संस्थाएं भी उसमें सहभागी बन जाएं। किसी अनुचित काम के लिए नेता को ऐसे अधिकारी की जरूरत होती है, जो उसे अंजाम देने में मदद करे। वहीं नियमों की अनदेखी करने के एवज में संरक्षण चाहने वाले अधिकारी को उसे छत्रछाया देने वाले राजनेता की जरूरत होती है।

प्रान्तीय कार्यालय : 76 शबरी कॉम्पलेक्स, एम.पी. नगर जोन-2 भोपाल, फोन : 0755-2579530
प्रान्तीय ब्यूरो प्रमुख : एल.एन. तवर, 9827781209
प्रान्तीय ब्यूरो : डॉ. जानकी अहिरवार 9406580345
Email:shramsadhnagwl@gmail.com

माखन चोरी से लेकर कालिया मर्दन और महारास तक, हर लीला देती है जीवन को गहरा संदेश

श्रीकृष्ण की दिव्य लीलाओं में छिपे आध्यात्मिक संदेश

दिव्य गुरु श्री आशुतोष महाराज जी(संस्थापक एवं संचालक, दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान)

उस युग का सर्वाधिक तमस से भरा काल था। पापाचार चरम सीमा पर था। श्रीमद्भागवत के एक रूपक के अनुसार उस समय सहस्रों दैत्य राजाओं का रूप धरकर पृथ्वी को आक्रांत कर रहे थे। उनके अत्याचारों से पृथ्वी भयाक्रांत थी। वह गौ का रूप धारण कर करुण स्वर में रंभा रही थी। सृष्टि के पालनहार इस करुण पुकार को कैसे अनसुना कर सकते थे? अतः असीम परम सत्ता ससीम मानवीय चोले में इस धरा पर अवतरित हुई। मानो अज्ञानरूपी अंधकार को चीरता हुआ ज्ञानरूपी पूर्ण चंद्रमा द्वापर युगीन नभ में उदित हुआ। यह अतिशुभ घड़ी थी–भाद्रपद कृष्ण पक्ष की अष्टमी की अर्धरात्रि। अवतारी युगपुरुष के रूप में भगवान श्रीकृष्ण ने धरा पर पदार्पण किया।

श्रीकृष्ण ऐसा अलौकिक व्यक्तित्व हैं, जिन्हें किसी एक परिभाषा में बांधा नहीं जा सकता। उन्होंने एक ओर गोप-गोपिकाओं के माध्यम से प्रेम, भक्ति और विरह की सरस धारा प्रवाहित की, तो दूसरी ओर समस्त उपनिषदों का सार गीता के रूप में अर्जुन के माध्यम से संपूर्ण मानव जाति को प्रदान किया। माधुर्यपूर्ण प्रेम और धर्मसम्मत ज्ञान का अद्भुत समन्वय ही श्रीकृष्ण के व्यक्तित्व की विशेषता है।

माखन चोरी में छिपा सार-असार का संदेश : लीलाधर श्रीकृष्ण ने अपने अवतरण काल में अनेक दिव्य लीलाएं कीं। ब्रज की कुंज गलियों से लेकर कंस के अत्याचारों से त्रस्त मथुरा और कुरुक्षेत्र के महायुद्ध तक उनकी अलौकिक लीलाओं का प्रकाश दिखाई देता है। ये लीलाएं उस समय जितनी सप्रयोजन थीं, उतनी ही आज भी हमारे लिए प्रेरणा का दीप हैं।

ग्वालिनों की मटकियों से माखन चुराकर खाने की लीला इसका उदाहरण है। सामान्य दृष्टि से यह बाल-क्रीड़ा प्रतीत होती है, लेकिन इसके भीतर गहरा आध्यात्मिक संदेश निहित है। संसार द्वैतात्मक है, जिसमें माखन रूपी सार और छाछ रूपी असार दोनों मौजूद हैं। माखन चुराकर प्रभु मानो यह संदेश देते हैं कि मनुष्य संसार में रहते हुए परम सार तत्व अर्थात ईश्वर का वरण करे, सारहीन माया का नहीं।

कालिया मर्दन और विषाक्त मन का प्रतीक : बाल लीलाओं में कालिया नाग के मर्दन की लीला भी अत्यंत प्रतीकात्मक है। विषधर कालिया हमारे विषाक्त मन का प्रतीक माना जा सकता है। उसके असंख्य विषैले फन अंतःकरण में फुंफकारते विकारों और दुर्भावनाओं के द्योतक हैं। हमारी जीवनरूपी यमुना भी वासनात्मक प्रवृत्तियों के कारण विषाक्त होती जा रही है। इससे जीवन की मिठास समाप्त और मन की शांति भंग होती है।

श्रीकृष्ण का यमुना के तल में उतरना जीवन में पूर्ण गुरु के पदार्पण का प्रतीक है। गुरु प्रदत्त ब्रह्मज्ञान के माध्यम से अंतःकरण में व्याप्त विकार क्षीण होने लगते हैं। मन पर नियंत्रण स्थापित होता है और वह पूर्णतः विकाररहित एवं समर्पित होकर परम सत्ता के दिव्य नृत्य का उपयुक्त धरातल बन पाता है।

महारासः आत्मा और परमात्मा के मिलन का प्रतीक : महारास की दिव्य लीला भी अपने भीतर गूढ़ आध्यात्मिक रहस्य समेटे हुए है। रासलीला में माया, दैहिक आकर्षण अथवा लौकिक श्रृंगार का कोई स्थान नहीं है। यह शरीर का नहीं, बल्कि आत्मा का रसपूर्ण नृत्य है। इसमें गोपियां आत्मा का और श्रीकृष्ण परमात्मा का प्रतीक हैं। यह प्रत्येक आत्मा के अपने मूल स्रोत परमात्मा के साथ आध्यात्मिक संयोग की अभिव्यक्ति है।

पद्मपुराण में वर्णन मिलता है कि त्रेता युग के जिन ऋषियों की इच्छा भगवान श्रीराम के साथ रहने की थी, वे द्वापर युग में गोप-गोपियों के रूप में आए। ये ऋषि-आत्माएं जन्म-जन्मांतर से ब्रह्मरस की पिपासु थीं। शास्त्रों में ब्रह्म को परम रस कहा गया है। श्रीकृष्ण रूप में पारब्रह्म ने महारास के माध्यम से इसी परम रस की वर्षा की और उनकी चिरकालीन आध्यात्मिक पिपासा को शांत किया।

बाहरी उत्सव से आगे बढ़कर समझें कृष्ण की लीलाएं : समग्र रूप से भगवान श्रीकृष्ण की समस्त लीलाएं दिव्य एवं पारलौकिक हैं। उनका चरित्र अत्यंत उदात्त है। वे शुद्ध, बुद्ध, मुक्त और चैतन्य स्वरूप हैं। उनकी लीलाओं में निहित गूढ़ार्थों को केवल लौकिक बुद्धि के आधार पर नहीं समझा जा सकता। इस दृष्टि से ब्रह्मज्ञान को उनके मर्म को समझने की कुंजी माना गया है। जन्माष्टमी के पावन पर्व पर संदेश यही है कि श्रीकृष्ण की बाहरी झांकियों और उत्सवों तक ही सीमित न रहें। उनके चरित्र और लीलाओं के आध्यात्मिक संदेश को भी समझने का प्रयास करें। प्रेम, भक्ति, ज्ञान और आत्मबोध के मार्ग पर आगे बढ़कर ही जन्माष्टमी के वास्तविक भाव को जीवन में उतारा जा सकता है।

नई खेलो इंडिया योजना : पीएम मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में गांव से विश्व तक भारत की नई खेल यात्रा

ज विश्वास कैलाश सारंग

देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में नई खेलो इंडिया योजना का लक्ष्य गाँव से विश्व तक यानि जमीनी स्तर से लेकर ओलंपिक स्तर तक खिलाड़ियों की पूरी विकास-श्रृंखला तैयार कर भारत को खेल महाशक्ति बनाना है। प्रधानमंत्री मोदी जी ने खेलो इंडिया और फिट इंडिया जैसे अभियानों के माध्यम से भारतीय खेल संस्कृति को गाँवों, स्कूलों और सामान्य परिवारों तक पहुँचाया है। प्रतिभा पहचान, आधुनिक प्रशिक्षण, खेल विज्ञान, बेहतर अधोसंरचना और अंतर्राष्ट्रीय एक्सपोजर पर बढ़ते जोर ने भारतीय खिलाड़ियों के लिए बेहतर विकास मार्ग तैयार किया है। ओलंपिक और पैरालंपिक खिलाड़ियों को निरंतर प्रोत्साहन, टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम जैसी व्यवस्थाओं को मजबूती तथा राष्ट्रीय खेल महासंघों और प्रशिक्षण संस्थानों पर बढ़ता निवेश इस सोच को दर्शाता है कि भारत की खेल शक्ति केवल कुछ प्रतिभाशाली खिलाड़ियों में नहीं बल्कि करोड़ों युवाओं की क्षमता को अवसर देने में निहित है। प्रधानमंत्री मोदी जी का खेलों के प्रति यह दृष्टिकोण आज पदक जीतने वाले भारत के साथ स्वस्थ, आत्मविश्वासी, अनुशासित और विश्व मंच पर नेतृत्व करने वाले भारत की कल्पना को साकार करेगा, जहाँ हर युवा विकसित भारत 2047 के निर्माण के महायज्ञ में अपनी सार्थक आहुति देगा।

व्यापक दृष्टिकोण के फलस्वरुप प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने महत्वाकांक्षी नई खेलो इंडिया योजना के लिये वर्ष 2026ङ्क27 से 2030ङ्क31 की अवधि के लिये ?36,441 करोड़ राशि की मंजूरी प्रदान की है। इससे 10 गुना ज्यादा खिलाड़ी लाभान्वित होंगे। यह केवल खेल प्रतियोगिताओं के आयोजन की योजना नहीं बल्कि भारत के युवा सामर्थ्य को खेल, स्वास्थ्य, शिक्षा, कौशल, अनुशासन, तकनीक और वैश्विक प्रतिस्पर्द्धात्मक उत्कृष्टता से जोड़ने की एक दीर्घकालिक राष्ट्रीय परियोजना है। अब लक्ष्य केवल प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की खोज तक सीमित नहीं बल्कि उन्हें प्रतिभा पहचान से प्रशिक्षण, प्रतियोगिता, उच्च स्तरीय कोचिंग, खेल विज्ञान, अंतर्राष्ट्रीय अनुभव और ओलंपिक तैयारी तक निरंतर सहयोग उपलब्ध कराना है।

नई खेलो इंडिया योजना से मध्यप्रदेश को खेल सुविधाओं और खिलाड़ियों के लिए बड़ा अवसर मिलने जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी के नेतृत्व में मध्यप्रदेश इस योजना के सफल क्रियान्वयन के लिये समस्त आवश्यक प्रयास करेगा। प्रदेश में 18 खेलों की 11 अकादमियां और पहले से संचालित है। खेलो इंडिया के 52 सेंटर्स को और मजबूत किया जाएगा। साथ ही स्थानीय स्तर पर उपलब्ध खेल प्रतिभा और क्षमता के आधार पर अलग-अलग क्षेत्रों के लिए रणनीति तैयार की जाएगी।

किसी भी खिलाड़ी की यात्रा का पहला पड़ाव अक्सर उसका विद्यालय और स्थानीय खेल मैदान होता है। यह वह स्थान हैं जहाँ बच्चा सीखता भी है, खेलता भी है और अपनी क्षमता को पहचानता भी है। इसलिए खेलो इंडिया फीडर स्कूल और खेलो इंडिया उत्कृष्ट विद्यालय जैसी पहलें विद्यालयों को केवल शिक्षा का केंद्र नहीं बल्कि प्रतिभा पहचान और खेल विकास का आधार बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। भारत खेलो नीति में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को समाहित करते हुए शिक्षा को केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित न रखकर शारीरिक क्षमता, रचनात्मकता, अनुशासन, नेतृत्व, टीम भावना और समग्र व्यक्तित्व विकास से जोड़ने पर बल दिया गया है। भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसकी विशाल युवा आबादी है, लेकिन प्रतिभा और पदक के बीच की दूरी अक्सर पर्याप्त प्रशिक्षण, प्रतियोगिता, खेल विज्ञान और अवसरों की कमी से निर्धारित होती है। यह नई योजना इस अंतर को कम कर खिलाड़ियों को उच्च स्तरीय प्रदर्शन के लिये तैयार करेगी। एथलीट विकास मार्ग को इस प्रकार परिकल्पित किया गया है कि प्रतिभा पहचान के बाद खिलाड़ी को वैज्ञानिक प्रशिक्षण, नियमित प्रतिस्पर्धा, उच्च स्तरीय कोचिंग, अंतर्राष्ट्रीय अनुभव और ओलंपिक तैयारी की क्रमिक सुविधाएँ मिलती रहें। इससे जमीनी प्रतियोगिताओं से शुरू होकर खेलो इंडिया और आगे टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम तक की प्रगति सुनिश्चित होगी। इमर्जिंग खेलो इंडिया एथलीट्स (ई-केआईएस) नई खेलो इंडिया योजना में शुरू की गई एक विशेष श्रेणी है, जिसका उद्देश्य जमीनी स्तर पर युवा खेल प्रतिभाओं की पहचान करके उन्हें आगे बढ़ाना और देश के एथलीट विकास तंत्र का लगभग 10 गुना विस्तार करना है। अब भारत का लक्ष्य केवल चैंपियन खोजने का नहीं बल्कि चैंपियन तैयार करने की प्रणाली विकसित करने का है।

राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र, खेलो इंडिया उत्कृष्टता केंद्र, भारतीय खेल प्राधिकरण प्रशिक्षण केंद्र, मान्यता प्राप्त खेल अकादमियाँ, खेलो इंडिया केंद्र तथा सशस्त्र बलों की युवा खेल कंपनियाँ इस पूरी व्यवस्था की महत्वपूर्ण कड़ियाँ हैं। इन संस्थानों के बीच बेहतर समन्वय प्रतिभा को उसके खेल कैरियर के विभिन्न चरणों में आवश्यक अवसर और मार्गदर्शन उपलब्ध कराने में सहायक होगा। एक सशक्त राष्ट्र वह नहीं जिसमें कुछ महान खिलाड़ी हों बल्कि वह है जिसमें हर वर्ग को अपनी क्षमता विकसित करने का अवसर मिले। इस योजना में फिट इंडिया मूवमेंट को व्यापक बनाने का उद्देश्य भारतीय समाज में सक्रिय और स्वस्थ जीवनशैली को प्रोत्साहित करना है, जहां खेल की भूमिका पदक से कहीं बड़ी हो जाती है। खेल बच्चों में अनुशासन, युवाओं में आत्मविश्वास, समुदाय में सहभागिता और समाज में स्वास्थ्य-संस्कृति को बढ़ावा देता है। महिलाओं की खेलों में भागीदारी, सीमावर्ती एवं दुरस्थ क्षेत्रों तक सुविधाएँ, मादक द्रव्यों के सेवन के विरुद्ध खेल-आधारित पहल तथा पैरा-एथलीटों और पारंपरिक खेलों को समर्थन ये सभी पहल खेल को समावेशी सामाजिक परिवर्तन के माध्यम में बदलेंगी।

गजराराजा चिकित्सा महाविद्यालय के सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल में हुआ ग्वालियर-चंबल संभाग का पहला सफल किडनी ट्रांसप्लांट

ग्वालियर, जीएनएस।

ग्वालियर के चिकित्सा इतिहास में रविवार को एक नया स्वर्णिम अध्याय जुड़ गया। शासकीय गजराराजा चिकित्सा महाविद्यालय से संबद्ध सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल में सफल किडनी ट्रांसप्लांट किया गया। ग्वालियर-चंबल संभाग के किसी शासकीय चिकित्सीय संस्थान में पहली बार किडनी ट्रांसप्लांट किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश के शासकीय चिकित्सा संस्थानों को अत्याधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं में सशक्त बनाने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की बदौलत यह महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल हुई है। प्रदेश सरकार द्वारा शासकीय चिकित्सा संस्थानों में आधुनिक अधोसंरचना, अत्याधुनिक चिकित्सा उपकरण और विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। गजराराजा चिकित्सा महाविद्यालय के सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल में किडनी ट्रांसप्लांट की सफलता इन सतत प्रयासों का प्रत्यक्ष परिणाम है। इस उपलब्धि से ग्वालियर-चंबल अंचल के गंभीर किडनी रोगियों के लिए आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं के नए द्वार खुल गए हैं। अब उन्हें देश के महानगरों में की तरह अपने शहर ग्वालियर में किडनी के इलाज की सुविधा उपलब्ध होगी।

पत्नी ने दिया जीवनदान, पति का हुआ सफल किडनी ट्रांसप्लांट

छतरपुर निवासी 60 वर्षीय कृष्णकांत गुप्ता की दोनों किडनियां खराब हो गई थीं। जीवन के इस कठिन दौर में उनकी 55 वर्षीय पत्नी मीना गुप्ता ने पति को अपनी किडनी दान कर जीवनदान देने का निर्णय लिया। इसके बाद मरीज और डोनर की आवश्यक मेडिकल जांच, काउंसलिंग, अनुकूलता परीक्षण तथा ट्रांसप्लांट से संबंधित सभी जरूरी प्रक्रियाएं निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार पूरी की गई। सभी आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी होने

विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने करीब साढ़े छह घंटे में सफलतापूर्वक पूरी की किडनी प्रत्यारोपण प्रक्रिया

के बाद दोनों को 29 अगस्त को सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। रविवार सुबह करीब 8.30 बजे किडनी प्रत्यारोपण की जटिल प्रक्रिया शुरू हुई। सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल के नेफ्रोलॉजी, यूरोलॉजी और एनेस्थीसिया विभाग के विशेषज्ञों ने मणिपाल हॉस्पिटल के यूरोलॉजी एवं किडनी ट्रांसप्लांट विभागाध्यक्ष डॉ. विकास जैन के सहयोग से इस महत्वपूर्ण प्रक्रिया को अंजाम दिया। करीब साढ़े छह घंटे तक चली यह जटिल चिकित्सा प्रक्रिया दोपहर लगभग 3 बजे सफलतापूर्वक पूरी हुई। ट्रांसप्लांट के बाद मरीज और किडनी दान करने वाली उनकी पत्नी, दोनों की स्थिति स्थिर है और विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम उनकी निरंतर निगरानी कर रही है।

आयुष्मान योजना ने दी बड़ी राहत, निःशुल्क हुआ ट्रांसप्लांट

इस ऐतिहासिक उपलब्धि का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष यह रहा कि कृष्णकांत गुप्ता का किडनी ट्रांसप्लांट आयुष्मान योजना के तहत निःशुल्क किया गया। अंग प्रत्यारोपण जैसी महंगी और जटिल चिकित्सा सुविधा का शासकीय अस्पताल में आयुष्मान योजना के माध्यम से उपलब्ध होना आर्थिक रूप से कमजोर और जरूरतमंद परिवारों के लिए नई उम्मीद है। यह उपलब्धि इस दिशा में भी महत्वपूर्ण है कि अब गंभीर किडनी रोगों से पीड़ित मरीजों को अत्याधुनिक उपचार के लिए अनिवार्य रूप से बड़े महानगरों के महंगे निजी अस्पतालों की ओर रुख नहीं करना पड़ेगा। किडनी ट्रांसप्लांट के बाद मरीज को संक्रमण से सुरक्षित रखना अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। इसे ध्यान में रखते हुए सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल में ट्रांसप्लांट मरीज के लिए विशेष आईसीयू की व्यवस्था की गई है। सेंट्रलाइज्ड एसी सिस्टम होने के बावजूद विशेष आईसीयू में अलग से एसी की व्यवस्था की गई है, ताकि संक्रमण के खतरे को न्यूनतम रखा जा सके। मरीज के कक्ष में डॉक्टरों और अधिकृत चिकित्सा स्टाफ के अतिरिक्त किसी अन्य व्यक्ति को प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। मरीज को आगामी सात दिनों तक मेडिसिन, नेफ्रोलॉजी और एनेस्थीसिया विभाग के विशेषज्ञ चिकित्सकों की विशेष निगरानी में रखा जाएगा। इसके लिए चिकित्सकों और चिकित्सा स्टाफ की राउंड-द-क्लॉक ड्यूटी लगाई गई है।

विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने रचा इतिहास

ग्वालियर में किडनी ट्रांसप्लांट की इस ऐतिहासिक सफलता में मणिपाल हॉस्पिटल के यूरोलॉजी एवं किडनी ट्रांसप्लांट विभागाध्यक्ष डॉ. विकास जैन,डॉ. नीलिमा टंडन, डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव, डॉ. शिवम यादव, डॉ. अंकित शर्मा, डॉ. सीमा शिंदे, डॉ. जिंदल, डॉ. नम्रता जैन, डॉ. कुशल तथा ट्रांसप्लांट कोऑर्डिनेटर कविता और राहुल सहित पूरी चिकित्सा टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। विशेषज्ञ चिकित्सकों, नर्सिंग स्टाफ और तकनीकी टीम के समन्वित प्रयासों से इस जटिल प्रक्रिया को निर्धारित चिकित्सा प्रोटोकॉल के अनुसार सफलतापूर्वक पूरा किया गया।

कड़े निर्देश दिए जाने पर जौहरी ने आभार व्यक्त किया

ग्वालियर, जीएनएस।

नगर निगम सीमा के अंतर्गत आने वाले सभी मैरिज गार्डनों में दिव्यांग जनों की सुगम आवाजाही और भोजन काउंटर तक आसान पहुंच सुनिश्चित करने के लिए बाधारहित रैंप बनाए जाने को लेकर एक सराहनीय बड़ी संवेदनशील पहल करते हूऐ म॰प्र॰ कांग्रेस कमेटी ई विकलांग प्रकोष्ठ के प्रदेश महासचिव एवं वरिष्ठ समाजसेवी ओर राष्ट्रीय शसक्त आत्मनिर्भर ट्रस्ट नई दिल्ली के राष्ट्रीय सलाहकार एवं आरटीआई एक्टिविस्ट अनूप जौहरी ने विगत दो माह पहले समाजिक न्याय एवं दिव्यांग जन सशक्तिकरण मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाह जी एवं ग्वालियर माननीय कलेक्टर महोदया श्रीमती रुचिका चौहान जी को मांग पत्र दिया था उक्त पत्र में की गई मांग को गंभीरता से लेते हुए दिव्यांग जनों से जुड़ी समस्या को दूर किए जाने हेतु माननीय मंत्री जी एवं माननीय कलेक्टर महोदया ने दिव्यांग जनों के प्रति अपनी पूर्ण संवेदनशीलता दिखाते हुए नगर पालिक निगम,के राजस्व विभाग को पत्र लिखा था उक्त पत्र को संज्ञान में लेते हुए ग्वालियर नगर पालिक निगम के राजस्व विभाग ने मैरिज गार्डन एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री आर पी महेश्वरी जी को एक कडा आदेशित पत्र ज़ारी करते हुए पत्र में लिखा हे कि आप ग्वालियर सीमा अंतर्गत आने वाले सभी मैरिज गार्डनों में दिव्यांग जनों के लिए बाधारहित रैम्प की विशेष व्यवस्था एवं भोजन काउंटर तक सुव्यवस्थित एवं आसान पहुंच की व्यवस्था सुनिश्चित करावे । इस संबंध में माननीय सामाजिक न्याय एवं दिव्यांग जन मंत्री जी एवं माननीय ग्वालियर जिला कलेक्टर महोदया ने इस संबंध में कड़े निर्देश जारी किए थे ।

?इस प्रभावी आदेश के लिए सामाजिक न्याय एवं दिव्यांग जन सशक्तिकरण मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाह जी के संज्ञान और जिला प्रशासन (कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान) जी के प्रभावी समन्वय के बाद नगर निगम प्रशासन ने यह आदेशित पत्र मैरिज गार्डन यूनियन के अध्यक्ष को जारी किया है। इस ?सराहनीय निर्णय पर सामाजिक कार्यकर्ता अनूप जौहरी ने सभी दिव्यांग जनों की ओर से माननीय मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाह एवं जिला कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान का हृदय से आभार व्यक्त करते हुए जौहरी ने इसे दिव्यांग समाज के सम्मान, स्वाभिमान और सुगम जीवन की दिशा में एक ऐतिहासिक और मानवीय कदम बताया।

राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर वरिष्ठ खेल प्रशासक अवार्ड से सम्मानित

दर्पण हॉकी परिवार के वरिष्ठ सदस्य श्री विवेक पिसाल जी पूर्व हॉकी खिलाड़ी कार्यालय ए जी एम पी सुपरवाइजर , वरिष्ठ राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी ग्वालियर को सामाजिक संस्था उड़ान द्वारा राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर वरिष्ठ खेल प्रशासक अवार्ड से सम्मानित किए जाने पर दर्पण हॉकी परिवार बहुत-बहुत शुभकामनाएं सहित बधाई देता हैयह वर्ष आदरणीय के लिए प्रगती उन्नति आरोग्य आयुष प्रदान करें। बधाई देने वालों में श्री ओमी पांडे,वीरेंद्र भदोरिया, श्री प्रताप सिंह, बिट्टू भैया, अनूप पांडे, महेश पंडोरिया, दिलशाद खान, मेहराजुद्दीन कुरैशी, राजू चौहान, देवेश पाल, विक्रम सिंह, रितु अनामिका तिर्की, पुष्पेंद्र शर्मा, आदर्श सिंह,मनोज परिहार, अविनाश भटनागर, पुष्पेंद्र सिंह, अर्जुन शर्मा, निक्की कौशल, दीपा शर्मा, नरेश डंगरोलिया,वंश श्रीवास्तव, ध्रुव शर्मा, प्रशांत राठोर, अमन बाल्मिक, सिद्धार्थ राठौर आदि।

लगभग 1,00,000 भक्तों के स्वागत की तैयारियों में जुटा है

अंतरराष्ट्रीय कृष्णभावनामृत संघ (इस्कॉन) गुरुग्राम आगामी 4 को

प्राण शर्मा/गुड़गाँव

अंतरराष्ट्रीय कृष्णभावनामृत संघ (इस्कॉन) गुरुग्राम 4 सितंबर को बड़े पैमाने पर श्रीकृष्ण जन्माष्टमी मनाने के लिए पूरी तरह तैयार है। इस आध्यात्मिक उत्सव में भाग लेने के लिए लगभग 1,00,000 भक्तों के मंदिर आने की उम्मीद है।

इस भव्य उत्सव का मुख्य उद्देश्य गुरुग्राम के निवासियों को दिव्य प्रसन्नता, आंतरिक शांति और आध्यात्मिक आनंद प्रदान करना है। इस कार्यक्रम के विवरण और व्यवस्थाओं की जानकारी रामभद्र दास (मंदिर अध्यक्ष), आराध्य गौर दास (मंदिर उपाध्यक्ष) और आचार्य सुदर्शन महाराज द्वारा संयुक्त रूप से साझा की गई।

यह उत्सव लगभग 21 घंटे लगातार चलेगा, जिसकी शुरुआत सुबह 4ः30 बजे मंगल आरती के साथ होगी और समापन मध्यरात्रि के

बाद रात 1ः00 बजे महा अभिषेक और महा आरती के साथ होगा।

-प्रमुख कार्यक्रम

-अद्भुत पुष्प सज्जाः मंदिर के गर्भगृह और श्री विग्रहों को ऑर्किड, गुलाब, रजनीगंधा, मोगरा और कार्नेशन के फूलों से सजाया जाएगा।

-आनंद और संस्कृति का उत्सवः समुदाय में एकता और खुशी को बढ़ावा देने के लिए पूरे दिन निरंतर दर्शन के साथ हरिनाम संकीर्तन, वैदिक प्रवचन और कृष्ण लीला को प्रदर्शित करने वाले सांस्कृतिक नाटक आयोजित किए जाएंगे।

-विशेष ऑनलाइन अभिषेक सुविधाः बुजुर्गों, दिव्यांगजनों और शहर से बाहर या विदेशों में रहने वाले श्रद्धालुओं के लिए एक समर्पित वर्चुअल अभिषेक और सीधा प्रसारण (लाइव टेलीकास्ट) उपलब्ध रहेगा।

जिससे वे दूर से ही भाग ले सकें और आशीर्वाद प्राप्त कर सकें।

-विशाल महाप्रसाद वितरणः 21 घंटे के इस आयोजन के दौरान आने वाले सभी दर्शनार्थियों के लिए निरंतर महाप्रसाद वितरण की व्यवस्था रहेगी।

-जेएमडी सबर्बियो (JMD Suburbio) में पार्किंग व्यवस्थाः श्रद्धालुओं की सुगम आवाजाही के लिए जेएमडी सबर्बियो में समर्पित पार्किंग स्थल, व्यापक यातायात प्रबंधन, स्वयंसेवकों की सहायता और नगर निगम के साथ समन्वय की व्यवस्था की गई है।

अधिवक्ताओं और उनके परिवारों के लिए एक समान राष्ट्रीय चिकित्सा बीमा नीति लागू की जाए

नई दिल्ली, जीएनएस।

लॉयर्स फेडरेशन ने भारत सरकार के माननीय कानून एवं न्याय मंत्री से देशभर के अधिवक्ताओं और उनके आश्रित परिवारजनों के लिए एक समान, व्यापक राष्ट्रीय चिकित्सा बीमा नीति लागू करने की मांग की है। फेडरेशन ने इस संबंध में केंद्र सरकार को एक विस्तृत ज्ञापन भेजकर ÷नेशनल एडवोकेट्स मेडिकल इंश्योरेंस स्कीम (ह्न्ह्रू)÷ स्थापित करने का प्रस्ताव रखा है।

लॉयर्स फेडरेशन के अध्यक्ष राजीव अग्निहोत्री ने कहा कि अधिवक्ता न्याय व्यवस्था का एक अभिन्न और महत्वपूर्ण अंग है। वे संविधान, विधि के शासन और नागरिकों के अधिकारों की रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। देशभर में अधिवक्ताओं को अपने पेशे के सिलसिले में विभिन्न राज्यों में स्थित न्यायालयों, अधिकरणों और अन्य न्यायिक मंचों पर जाना पड़ता है। ऐसे में अधिवक्ताओं की चिकित्सा सुरक्षा भी राष्ट्रीय और समान आधार पर सुनिश्चित की जानी चाहिए।

उन्होंने कहा कि वर्तमान में अलग-अलग राज्यों, बार

काउंसिलों और बार एसोसिएशनों में अधिवक्ताओं को उपलब्ध चिकित्सा एवं कल्याणकारी सुविधाओं में पर्याप्त अंतर है। किसी अधिवक्ता या उसके परिवार में गंभीर बीमारी, दुर्घटना, हृदय रोग, कैंसर, बड़ी सर्जरी अथवा लंबे समय तक अस्पताल में भर्ती होने जैसी परिस्थिति उत्पन्न होने पर उपचार का खर्च परिवार की आर्थिक स्थिति को गंभीर रूप से प्रभावित कर सकता है। फेडरेशन ने मांग की है कि केंद्र सरकार बार काउंसिल ऑफ इंडिया, राज्य बार काउंसिलों तथा अन्य संबंधित संस्थाओं के परामर्श से देशभर के पात्र अधिवक्ताओं के लिए एक समान चिकित्सा बीमा सुविधा सुनिश्चित करे। प्रस्तावित नेशनल एडवोकेट्स मेडिकल इंश्योरेंस स्कीम (ह्न्ह्रू) के अंतर्गत अधिवक्ताओं के साथ-साथ उनके पात्र आश्रित परिवारजनों—जैसे पति/पत्नी, आश्रित बच्चों और आश्रित माता-पिता—को भी चिकित्सा बीमा सुरक्षा प्रदान की जानी चाहिए।फेडरेशन ने यह भी सुझाव दिया है कि योजना के अंतर्गत पूरे भारत में कैशलेस चिकित्सा सुविधा उपलब्ध हो। देश के किसी भी राज्य में पंजीकृत अधिवक्ता को दूसरे राज्य में चिकित्सा उपचार लेने पर बीमा सुविधा से वंचित नहीं होना चाहिए। इसके लिए पूरे देश में अस्पतालों का व्यापक नेटवर्क बनाया जाना चाहिए। राजीव अग्निहोत्री ने कहा ÷जो अधिवक्ता जीवनभर दूसरों के अधिकारों और न्याय की रक्षा के लिए संघर्ष करता है, उसके और उसके परिवार की स्वास्थ्य सुरक्षा भी राष्ट्र की प्राथमिकता होनी चाहिए। लॉयर्स फेडरेशन ने केंद्र सरकार से आग्रह किया है कि इस प्रस्ताव को केवल बीमा योजना के रूप में नहीं, बल्कि देश के अधिवक्ताओं के लिए राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा और कल्याण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखा जाए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश में नशामुक्त भारत अभियान को मिली नई गति

नशामुक्त मध्यप्रदेश की ओर बढ़ते कदम

जनभागीदारी, पुनर्वास और संकल्प से सामाजिक बदलाव

भारत की युवा शक्ति देश की सबसे बड़ी पूंजी है। युवाओं की ऊर्जा, क्षमता और प्रतिभा को सही दिशा देना राष्ट्र निर्माण की सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता है। नशे की बढ़ती प्रवृत्ति केवल व्यक्ति या परिवार की समस्या नहीं है, बल्कि यह समाज और राष्ट्र के भविष्य से जुड़ी एक गंभीर सामाजिक चुनौती है। इसी सोच के साथ प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर देशभर में नशामुक्त भारत अभियान संचालित किया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य केवल नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता पैदा करना नहीं, बल्कि समाज की सामूहिक शक्ति के माध्यम से नशे की गिरफ्त में आए लोगों को उपचार, परामर्श और पुनर्वास उपलब्ध कराकर उन्हें मुख्यधारा में वापस लाना भी है।

मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में नशामुक्त भारत अभियान को जनआंदोलन का स्वरूप देने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। राज्य सरकार ने सामाजिक सहभागिता, जनजागरूकता, उपचार, पुनर्वास और संस्थागत समन्वय को अभियान का आधार बनाया है। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाहा के मार्गदर्शन में विभाग द्वारा नशे के विरुद्ध व्यापक स्तर पर गतिविधियां संचालित की जा रही हैं।

नशे के खिलाफ जनजागरण से जनआंदोलन तक : नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य को प्रभावित करने के साथ ही उसके परिवार, आर्थिक स्थिति और सामाजिक जीवन को भी गंभीर रूप से प्रभावित करता है। युवा पीढ़ी को नशे से बचाना और नशे की चपेट में आ चुके लोगों को सम्मानपूर्वक नया जीवन देना सरकार और समाज दोनों की साझा जिम्मेदारी है।

राज्य सरकार ने इस चुनौती को केवल प्रशासनिक दृष्टि से नहीं देखा है। अभियान में शैक्षणिक संस्थानों, सामाजिक संगठनों, धार्मिक संस्थाओं, स्वयंसेवी संगठनों, युवाओं, विद्यार्थियों और आम नागरिकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने का प्रयास किया गया है। यही सामूहिकता नशामुक्ति अभियान की सबसे बड़ी ताकत बनकर सामने आई है।

राज्य में नशामुक्ति के संबंध में व्यापक जनजागरूकता के लिए 213 पंजीकृत संस्थाएं कार्यरत हैं। इन संस्थाओं की भूमिका नशे के दुष्परिणामों के प्रति लोगों को जागरूक करने के साथ-साथ प्रभावित व्यक्तियों और उनके परिवारों तक सहायता पहुंचाने की भी है।

मध्यप्रदेश के प्रयासों को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान : नशामुक्त भारत अभियान के अंतर्गत मध्यप्रदेश द्वारा किए गए प्रभावी प्रयासों को राष्ट्रीय स्तर पर भी सराहना मिली है। वर्ष 2023-24 के लिए संस्थागत पुरस्कार श्रेणी में शहीद भगत सेवा समिति, रीवा तथा व्यक्तिगत श्रेणी में श्री राजीव तिवारी, मुक्ति नशामुक्ति केंद्र, भोपाल को सम्मानित किया गया।

13 अगस्त 2025 को भोपाल स्थित रवीन्द्र भवन में आयोजित राज्य स्तरीय नशामुक्ति शपथ ग्रहण समारोह में इन प्रयासों और उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों एवं संस्थाओं को सम्मानित किया गया। यह सम्मान न केवल संबंधित संस्थाओं और व्यक्तियों की उपलब्धि है, बल्कि नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए मध्यप्रदेश की सामूहिक प्रतिबद्धता का भी प्रमाण है।

पुनर्वास और उपचार की सुदृढ़ व्यवस्था : नशामुक्ति अभियान का एक महत्वपूर्ण पक्ष उन लोगों को नई जिंदगी देना है,

जो नशे की गिरफ्त में आ चुके हैं। सरकार का उद्देश्य ऐसे व्यक्तियों को केवल नशे से दूर करना नहीं, बल्कि उपचार, परामर्श और पुनर्वास के माध्यम से उन्हें समाज की मुख्यधारा से पुनः जोड़ना भी है।

प्रदेश में 13 नशामुक्ति सह पुनर्वास केंद्र संचालित हैं। इसके साथ ही 7 आउटरीच एंड ड्रॉप इन सेंटर तथा 3 कम्युनिटी बेस्ड पीयर-लेड इंटरवेंशन सेंटर संचालित किए जा रहे हैं। इन व्यवस्थाओं के माध्यम से नशे से प्रभावित व्यक्तियों तक पहुंचकर उन्हें उपचार और आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है।

भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के सहयोग से नशामुक्ति एवं पुनर्वास केंद्रों की स्थापना और संचालन के लिए अनुदान उपलब्ध कराया जा रहा है। प्रदेश के 11 केंद्रीय जिलों–भोपाल, सागर, इंदौर, जबलपुर, रीवा, ग्वालियर, नरसिंहपुर, सतना, बड़वानी, नरसिंहपुर और उज्जैन में नशामुक्ति केंद्र स्थापित करने के लिए वित्तीय स्वीकृतियां प्रदान की गई हैं। साथ ही नशामुक्ति से जुड़ी सुविधाओं के विस्तार के लिए प्रदेश के विभिन्न जिलों में व्यवस्थाओं को सुदृढ़ किया जा रहा है।

12 हजार मास्टर वॉलंटियर्स बने बदलाव के सहभागी : नशे के विरुद्ध लड़ाई को समाज के हर वर्ग तक पहुंचाने के लिए मध्यप्रदेश में 12 हजार मास्टर वॉलंटियर्स तैयार किए गए हैं। ये स्वयंसेवक प्रदेशभर में नशे के दुष्परिणामों के प्रति आमजन को जागरूक कर रहे हैं तथा नशामुक्त भारत अभियान से जुड़ी गतिविधियों को जन-जन तक पहुंचाने में सहयोग कर रहे हैं।

स्वयंसेवकों की भूमिका इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि नशे की समस्या का समाधान केवल कानून और प्रशासन के माध्यम से संभव नहीं है। परिवार, समाज और समुदाय की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। मास्टर वॉलंटियर्स स्थानीय स्तर पर लोगों को जागरूक करने, युवाओं से संवाद स्थापित करने और नशामुक्ति गतिविधियों को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

युवाओं और विद्यार्थियों पर विशेष फोकस : मध्यप्रदेश में अभियान के दौरान युवाओं और विद्यार्थियों को विशेष रूप से जागरूक करने पर जोर दिया गया है। विद्यालयों, महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों और सार्वजनिक स्थानों पर नशामुक्ति से संबंधित कार्यक्रम आयोजित किए गए। 18 नवंबर 2025 को नशामुक्त भारत अभियान की पांचवीं वर्षगांठ के अवसर पर विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित कर युवाओं और विद्यार्थियों को अभियान से जोड़ा गया।

डिजिटल माध्यमों का उपयोग करते हुए QR Code के माध्यम से लगभग 2.46 लाख ऑनलाइन ई-प्लेज भी कराए गए। यह अभियान में आधुनिक तकनीक के उपयोग और युवाओं की व्यापक भागीदारी का उदाहरण है।

राज्य में 31 मई 2025 को विश्व तंबाकू निषेध दिवस, 26 जून को अंतरराष्ट्रीय नशा निवारण दिवस, 2 से 8 अक्टूबर तक मद्य निषेध सप्ताह तथा 30 जनवरी 2026 को मद्य निषेध संकल्प दिवस के अवसर पर विशेष जनजागरूकता गतिविधियां आयोजित की गईं। इन कार्यक्रमों के माध्यम से समाज के विभिन्न वर्गों को नशे से होने वाले शारीरिक, मानसिक, आर्थिक और सामाजिक नुकसान के प्रति जागरूक किया गया।

नशे से दूरी है बहुत जरूरी÷ ¬ पुलिस की प्रभावी भागीदारी : नशामुक्त समाज के निर्माण में कानून प्रवर्तन एजेंसियों की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा ÷नशे से दूरी है बहुत जरूरी÷ जैसे विशेष अभियान संचालित कर नशे के खिलाफ जनजागरूकता का व्यापक संदेश दिया गया। पुलिस की सहभागिता से अभियान को समाज के विभिन्न वर्गों तक पहुंचाने में मदद मिली।

इस तरह विभिन्न विभागों, पुलिस, सामाजिक संगठनों, शिक्षण संस्थाओं और नागरिक समाज के बीच समन्वय स्थापित कर नशे के विरुद्ध व्यापक वातावरण तैयार किया जा रहा है। नशे के अवैध कारोबार पर नियंत्रण और समाज में नशे के प्रति जागरूकता–दोनों स्तरों पर प्रयास किए जाने से अभियान अधिक प्रभावी बनता है।

नारायण सिंह कुशवाहा के मार्गदर्शन में सामाजिक भागीदारी को बल : सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाहा के मार्गदर्शन में नशामुक्त भारत अभियान को सामाजिक सरोकार से जोड़ते हुए आगे बढ़ाया जा रहा है। उनका मानना है कि नशे के विरुद्ध संघर्ष में समाज की सक्रिय भागीदारी सबसे आवश्यक है। केवल सरकारी प्रयास पर्याप्त नहीं हो सकते; जब परिवार, शिक्षक, युवा, सामाजिक संस्थाएं और जनप्रतिनिधि एक साथ खड़े होते हैं, तभी स्थायी सामाजिक परिवर्तन संभव होता है।

विभागीय प्रयासों के माध्यम से नशामुक्ति के क्षेत्र में जागरूकता के साथ-साथ उपचार एवं पुनर्वास की व्यवस्थाओं को भी मजबूत किया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य नशे की चपेट में आए व्यक्ति को अपराधी या उपेक्षित व्यक्ति के रूप में देखने के बजाय उसे उपचार और पुनर्वास की आवश्यकता वाले व्यक्ति के रूप में सहयोग देना है।

नशामुक्त मध्यप्रदेश ¬ सामूहिक संकल्प की दिशा

नशामुक्त समाज का निर्माण के लिए प्रत्येक परिवार और नागरिक को जिम्मेदारी निभानी होगी। युवाओं को नशे से दूर रखने, नशे की चपेट में आए लोगों को सहयोग देने और समाज में सकारात्मक वातावरण तैयार करने के लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं।

मध्यप्रदेश का संदेश स्पष्ट है नशे से दूरी, स्वस्थ जीवन की मजबूरी। जनभागीदारी, जागरूकता और पुनर्वास के समन्वित प्रयासों से ही नशामुक्त, स्वस्थ और सशक्त मध्यप्रदेश का निर्माण संभव होगा।

पंडित नेहरू 'भारत माता' किसे मानते थे?

प्रयाग पाण्डे

स्वाधीनता संग्राम के दौर में 'वंदेमातरम्' और 'भारत माता की जय' आजादी के दीवानों के प्रिय नारे थे। इन नारों ने देशवासियों में ऊर्जा और राष्ट्रभक्ति का संचार किया। अंग्रेजी हुकूमत के विरुद्ध आंदोलनों में जब हजारों कंठों से इन नारों की गूंज उठती थी तो उससे लोगों में एकजुटता और संघर्ष का जज्बा पैदा होता था। यही कारण था कि अंग्रेज इन नारों से उपजी राष्ट्रभक्ति की लहर से भयभीत रहते थे।

लेकिन सवाल यह है कि आखिर 'भारत माता' कौन हैं? जिसे हम श्रद्धा और सम्मान के साथ प्रणाम करते हैं और जिसकी जय के नारे लगाते हैं। भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने आजादी के आंदोलन के दौरान वर्ष 1936 में इस सवाल का बेहद रोचक और व्यापक उत्तर दिया था।

जब हजारों लोगों के बीच रुकी नेहरू की गाड़ी : घटना वर्ष 1936 की है। पंडित नेहरू अंबाला, करनाल, पानीपत, सोनीपत और रोहतक में सभाओं और जुलूसों में शामिल होने के बाद अपने सहयोगियों के साथ रोहतक से दिल्ली लौट रहे थे। देर रात का समय था। रोहतक-दिल्ली मार्ग पर हजारों स्त्री-पुरुष दिन से ही नेहरू की प्रतीक्षा में बैठे थे।

नेहरू की गाड़ी वहां पहुंची तो उन्हें अचानक रुकना पड़ा। सड़क पर हाथों में मशालें लिए लोगों की भारी भीड़ बैठी थी। नेहरू गाड़ी से उतरे और उस धुंधली रात में हजारों लोगों के बीच बैठ गए। कुछ ही देर में लोगों ने जोश के साथ तीन बार 'वंदेमातरम्' का नारा लगाया। इसके बाद 'भारत माता की जय' के नारे गूंजने लगे।

नेहरू ने लोगों से पूछा–यह 'वंदेमातरम्' और 'भारत माता की जय' किसलिए है?

लोगों ने अपनी-अपनी समझ के अनुसार जवाब दिए, लेकिन नेहरू को कोई जवाब संतोषजनक नहीं लगा। इसके बाद उन्होंने स्वयं 'भारत माता' का अर्थ समझाया।

'भारत माता' केवल जमीन नहीं, उसके लोग हैं

नेहरू ने कहा कि भारत उत्तर में कश्मीर और हिमालय से लेकर दक्षिण में लंका तक फैला हुआ विशाल भूभाग है। इसमें पंजाब, बंगाल, बंबई, मद्रास सहित अनेक क्षेत्र शामिल हैं। इस विशाल देश में करोड़ों किसान रहते हैं। उनकी समस्याएं, कठिनाइयां, गरीबी और जीवन का संघर्ष एक-दूसरे से जुड़े हैं। नेहरू के अनुसार यही विशाल हिंदुस्तान उन सभी लोगों के लिए 'भारत माता' है, जो यहां रहते हैं और जिन्हें इस देश की संतान कहा जाता है।

उन्होंने उस प्रचलित कल्पना पर भी सवाल उठाया जिसमें 'भारत माता' को एक सुंदर, असहाय नारी के रूप में चित्रित किया जाता है, जिसके लंबे बाल धरती तक लटकते हैं। नेहरू ने कहा कि 'भारत माता' ऐसी किसी काल्पनिक स्त्री का नाम नहीं है।

यदि 'भारत माता की जय' का नारा लगाया जाता है तो इसका अर्थ केवल भारत के पहाड़ों, नदियों, रेगिस्तानों, पेड़ों और पत्थरों की जय बोलना भी नहीं है।

'भारत माता' यानी करोड़ों देशवासी : नेहरू ने लोगों से कहा कि जब हम 'भारत माता की जय' कहते हैं तो वास्तव में हम उन करोड़ों लोगों की जय बोलते हैं, जो भारत के गांवों और शहरों में रहते हैं। ये लोग कौन हैं? वे लोग जो हमारे अपने भाई-बहन हैं, हमारे आसपास रहते हैं और जिनका जीवन इस देश से जुड़ा है।

इस तरह नेहरू ने 'भारत माता' की अवधारणा को किसी काल्पनिक आकृति के बजाय भारत के आम नागरिक से जोड़ा। उनके लिए देश केवल भौगोलिक सीमाओं का नाम नहीं था, बल्कि उन करोड़ों लोगों का सामूहिक अस्तित्व था, जो इस धरती पर रहते हैं। यानी जब कोई व्यक्ति 'भारत माता की जय' कहता है तो वह किसी काल्पनिक चरित्र की नहीं, बल्कि अपने और हिंदुस्तान के करोड़ों भाई-बहनों की जय बोल रहा होता है। इस अर्थ में भारत माता स्वयं देश का नागरिक है और उसकी जय में नागरिक की अपनी जय भी शामिल है।

1936 के लेख में दर्ज किया था प्रसंग : पंडित जवाहरलाल नेहरू ने 16 सितंबर 1936 को 'भारत माता की जय' शीर्षक से लिखे अपने आलेख में इस प्रसंग का उल्लेख किया था। यह आलेख बाद में 1940 के दशक में सस्ता साहित्य मंडल से प्रकाशित उनकी पुस्तक 'हिंदुस्तान की समस्याएं' में भी संकलित हुआ।

एक दिवसीय योग कार्यकर्ता निर्माण शिविर में 700 कार्यकर्ताओं ने लिया प्रशिक्षण

आत्मज्ञान के लिए जगानी होगी रितंभरा बुद्धि : देशराज

ग्वालियर जीएनएस

भारतीय योग संस्थान, मध्यप्रदेश प्रांत ग्रेटर ग्वालियर की ओर से रविवार को थाटीपुर स्थित निजी गार्डन में एक दिवसीय योग कार्यकर्ता निर्माण शिविर आयोजित किया गया। शिविर में 700 पंजीकृत योग कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। शिविर में योग, ध्यान, प्राणायाम के साथ योग के वैज्ञानिक पहलुओं और निःशुल्क योग साधना केंद्रों के प्रभावी संचालन के संबंध में प्रशिक्षण दिया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रीय प्रधान देशराज, राष्ट्रीय महामंत्री ललित गुप्ता, प्रांतीय प्रधान एवं राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य लक्ष्मण सिंह परिहार सहित अन्य पदाधिकारियों ने दीप प्रज्वलित कर किया। सरस्वती वंदना प्रभा उपाध्याय एवं टीम ने प्रस्तुत की। जिला संगठन मंत्री रेखा पवन गुप्ता ने अतिथियों का दुपट्टा पहनाकर एवं बैज लगाकर स्वागत किया। जया जयसिंघानी ने स्वागत नृत्य प्रस्तुत किया।

शरीरमय कोष से आनंदमय कोष की यात्रा : प्रथम सत्र की शुरुआत सुबह 5.20 बजे अनंत चतुर्वेदी के भजन गायन से हुई। इसके बाद राष्ट्रीय प्रधान देशराज ने ध्यान के गूढ़ रहस्यों को सरल भाषा में समझाया। उन्होंने कहा कि आत्मज्ञान के लिए व्यक्ति को अपनी रितंभरा बुद्धि को जागृत करना होगा। इसके लिए नियमित रूप से आसन, प्राणायाम और ध्यान का अभ्यास जरूरी है।

उन्होंने कहा कि जब हम योग, सत्संग, उपनिषदों के अध्ययन और नियमित योगाभ्यास से जुड़ते हैं तो धीरे-धीरे यह अनुभूति होने लगती है कि व्यक्ति शरीर, मन और बुद्धि से परे शुद्ध चैतन्य है। विवेक जागृत होने की यही अवस्था संप्रज्ञात समाधि की ओर ले जाती है। ध्यान का अभ्यास गहन होने पर साधक आनंदमय कोष की अनुभूति करता है और यहीं से शांति की प्रज्ञा विकसित होती है। इसके बाद देशराज ने साधकों को ध्यान का अभ्यास कराया।

आसन और प्राणायाम का कराया अभ्यास : जिला प्रधान पवन गुप्ता ने बताया कि ध्यान के बाद वरिष्ठ प्रशिक्षकों दिनेश शर्मा, राजेंद्र धनोलिया, सुशील गुप्ता, रेखा गुप्ता, अरविंद बाजपेई, रामावतार वर्मा, अनंत सरकार, ए.के. गुर्जर, कमल शर्मा, डॉ. केएन राठौड़ और एसएस गुप्ता ने विभिन्न योगासनों का अभ्यास कराया। राष्ट्रीय प्रधान देशराज ने अभ्यास के दौरान आवश्यक सुधार एवं मार्गदर्शन दिया। इसके बाद राष्ट्रीय महामंत्री ललित गुप्ता ने प्रभावकारी प्राणायाम का अभ्यास कराया और इसके महत्व एवं वैज्ञानिक पहलुओं की जानकारी दी। प्रथम सत्र का संचालन सविता गुप्ता ने किया।

90 से अधिक निःशुल्क योग केंद्र संचालित : स्वागत उद्बोधन में प्रांतीय प्रधान लक्ष्मण सिंह परिहार ने कहा कि ग्रेटर ग्वालियर के साधकों के लिए यह सौभाग्य की बात है कि उन्हें राष्ट्रीय प्रधान और राष्ट्रीय महामंत्री का एक साथ मार्गदर्शन मिला। उन्होंने कहा कि संस्थान के केंद्रीय पदाधिकारी वर्षभर देश-विदेश में भ्रमण कर कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित करते हैं। उनके मार्गदर्शन और कार्यकर्ताओं के सतत प्रयासों से मध्यप्रदेश प्रांत लगातार प्रगति कर रहा है। ग्वालियर में ही 90 से अधिक निःशुल्क योग केंद्र संचालित किए जा रहे हैं।

योग से रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने पर जोर : शिविर में कार्यकर्ताओं को निःशुल्क योग साधना केंद्रों के प्रभावी संचालन और योग के वैज्ञानिक पक्षों को साधकों तक पहुंचाने का प्रशिक्षण दिया गया। देशराज ने रोग प्रतिरोधक क्षमता एवं योग, महिला रोग एवं योग तथा बढ़ती उम्र में होने वाले रोगों और योग जैसे विषयों पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कार्यकर्ताओं की जिज्ञासाओं का समाधान भी किया। राष्ट्रीय महामंत्री ललित गुप्ता ने निष्काम कर्म के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि व्यक्ति जैसा कर्म करता है, उसे वैसा ही फल प्राप्त होता है। दुख देंगे तो दुख मिलेगा, सुख देंगे तो सुख मिलेगा, जबकि निष्काम कर्म व्यक्ति को परम आनंद की ओर ले जाता है।

कार्यकर्ताओं ने जताई उपयोगी प्रशिक्षण की बात : मीडिया सहप्रभारी गिरीश अग्रवाल ने बताया कि अधिकारियों, प्रशिक्षकों और साधकों ने केंद्रीय पदाधिकारियों के मार्गदर्शन को ध्यानपूर्वक सुना। कार्यकर्ताओं ने शिविर को योग केंद्रों के विस्तार और संचालन के लिए बेहद उपयोगी बताया तथा दोनों केंद्रीय पदाधिकारियों से भविष्य में भी ग्वालियर आने का आग्रह किया।

रक्षाबंधन मनाने गए सूने घर पर अज्ञात चोरों का धावा, 60 लाख का माल समेट ले गए चोर

शिवपुरी जीएनएस

शहर के फिजीकल थाना सीमा में रक्षाबंधन त्यौहार पर कानपुर गए एक अग्रवाल परिवार के सूने मकान को अज्ञात चोरों ने निशाना बनाया। चोरो ने रैकी कर करीब 60 लाख रूपये का सोना-चांदी सहित नकदी को उडा दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू कर दिया।

जानकारी के अनुसार फिजीकल रोड पर दौलत सिंह होटल के पीछे रहने वाले ठेकेदार मातादीन अग्रवाल 28 अगस्त को पत्नी रश्मि के साथ रक्षाबंधन का त्यौहार मनाने अपनी ससुराल कानपुर रवाना हुए, तो उन्हें अंदाजा नहीं था कि उनकी गैरमौजूदगी में उनके आशियाने को बुरी तरह लूट लिया जाएगा। रविवार की रात जब यह दंपती वापस लौटा, तो घर का खौफनाक नजारा देखकर उनके पैरों तले जमीन खिसक गई। मकान के तीन कमरों के मजबूत ताले टूटे पड़े थे और सारा सामान फर्श पर बिखरा हुआ था। चोरों ने बड़ी ही इत्मीनान और शातिर तरीके से उस अलमारी को अपना निशाना बनाया, जिसमें परिवार की पीढ़ियों की यादें और बेशकीमती जेवर रखे हुए थे। पीड़िता रश्मि अग्रवाल ने बताया कि अलमारी में उनका खानदानी 27 तोला सोना और करीब 4 किलो चांदी के जेवर सुरक्षित रखे हुए थे। इसके अलावा घर की दूसरी मंजिल पर चल रहे निर्माण कार्य के खर्च के लिए 4 लाख रुपये नकद भी रखे गए थे। चोरों ने जेवरात के साथ-साथ यह पूरी नकदी भी पार कर दी, जिससे कुल नुकसान का आंकड़ा 60 लाख रुपये के करीब पहुँच गया है। वारदात के तरीके से साफ जाहिर होता है कि यह चोरी अचानक नहीं हुई, बल्कि इसके पीछे एक सोची-समझी साजिश थी। पुलिस को पूरी आशंका है कि चोरों ने घटना को अंजाम देने से पहले मकान की सघन रेकी की थी। फिजिकल थाना पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है ताकि संदिग्धों की पहचान की जा सके। पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर उनकी सरगर्मी से तलाश शुरू कर दी गई है।

ग्वालियर में शिवपुरी की हॉकी प्रतिभा राधिका शिवहरे का हुआ सम्मान

शिवपुरी जीएनएस

शिवपुरी की उभरती हुई हॉकी प्रतिभा राधिका शिवहरे ने अपने उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन से जिले का नाम गौरवान्वित किया है। उनके शानदार प्रदर्शन और खेल के क्षेत्र में योगदान को देखते हुए ग्वालियर में आयोजित सम्मान समारोह में उन्हें सम्मानित किया गया। हॉकी के महान खिलाड़ी कैप्टन रूपसिंह को समर्पित खेल संस्था 'उड़ान' द्वारा रविवार, 30 अगस्त 2026 को ग्वालियर स्थित चैम्बर ऑफ कॉमर्स में ध्यानचंद अवार्ड समारोह के साथ सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में राधिका शिवहरे को खेल के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। संस्था के अध्यक्ष डॉ. सत्येन्द्र सिंह रईखेड़ा

एवं सचिव रवीन्द्र सत्यार्थी ने बताया कि राधिका ने अपनी प्रतिभा और निरंतर मेहनत के दम पर हॉकी के क्षेत्र में पहचान बनाई है। सम्मान प्राप्त कर राधिका ने शिवपुरी के खेल जगत को गौरवान्वित किया है। राधिका शिवहरे के सम्मान पर जिला खेल अधिकारी डॉ. के.के. खरे, जिला क्रीड़ा अधिकारी चंद्रशेखर बेमटे, राज्य स्तरीय ऑब्जर्वर देवेंद्र कुमार बाथम, जिला हॉकी संघ अध्यक्ष साहब सिंह कुशवाह, संजीव पांडे, उबेर आदिल, गिरीश मिश्रा (मामा), दिलशाद खान, कोमल चव्हाण, अजय बाथम, हॉकी फीडर सेंटर की कोच गीता लखेरा, खेलो इंडिया सेंटर कोच शैलेंद्र बुंदेला, छत्रपति साहूजी महाराज हॉकी क्लब के सचिव राहुल नरवरिया सहित खेल प्रेमियों ने प्रसन्नता व्यक्त की।

सेवा, संस्कार, संपर्क और समर्पण के विविध आयोजनों से सजा सप्ताह, हरियाली तीज महोत्सव के साथ हुआ भव्य समापन

भारत विकास परिषद शाखा मणिकर्णिका का सात दिवसीय संस्कृति सप्ताह सम्पन्न

शिवपुरी

भारत विकास परिषद शाखा मणिकर्णिका, शिवपुरी द्वारा 19 अगस्त से 25 अगस्त 2026 तक आयोजित सात दिवसीय संस्कृति सप्ताह उत्साह, उमंग और सामाजिक सरोकारों के साथ सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। शाखा की सभी सक्रिय सदस्याओं की सहभागिता, सहयोग एवं समर्पण से आयोजित इस सप्ताह में सेवा, संस्कार, संपर्क और समर्पण के विभिन्न प्रकल्पों का सुंदर समन्वय देखने को मिला।

जानकारी देते हुए भारत विकास परिषद शाखा मणिकर्णिका अध्यक्ष श्रीमती ऋतु गोयल व सचिव राखी गोयल ने बताया कि संस्कृति सप्ताह के प्रथम दिवस नीलकंठेश्वर महादेव मंदिर में राधा-कृष्ण, भगवान महादेव एवं झूले से जुड़े भक्तिमय भजनों के साथ कीर्तन का आयोजन किया गया तथा प्रसाद वितरण किया गया। द्वितीय दिवस विश्व शांति विशाल कांवड़ यात्रा का फूल-मालाओं, कचौड़ियों एवं जल से श्रद्धापूर्वक भव्य स्वागत, तृतीय दिवस महिलाओं एवं कन्याओं को साइबर अपराधों से बचाव और साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से जागरूकता कार्यक्रम, पुलिस उपनिरीक्षक श्रीमती पूजा घुरैया ने साइबर अपराध से बचने के महत्वपूर्ण उपायों की जानकारी दी,

चतुर्थ दिवस किड जी स्कूल, खिन्नी नाका में बच्चों के लिए राखी बनाओ, मटकी सजाओ एवं थाली सजाओ प्रतियोगिताओं का आयोजन, इसके साथ ही गुरु वंदन-छात्र अभिनंदन कार्यक्रम में गुरुजनों एवं प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का सम्मान किया गया। पंचम दिवस कल्याणी धर्मशाला में रोगियों के अटेंडरों को भोजन प्रसाद एवं बूंदी का वितरण कर सेवा कार्य, षष्टम दिवस विस्डम स्कूल, दर्पण कॉलोनी में बच्चों के लिए रामायण के ज्ञान पर आधारित प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसके माध्यम से बच्चों में भारतीय संस्कृति, परंपराओं एवं संस्कारों के प्रति रुचि जागृत करने का प्रयास किया गया। वहीं सप्तम एवं अंतिम दिवस संस्कृति सप्ताह का समापन भव्य हरियाली तीज महोत्सव के रूप में हुआ। कार्यक्रम में सदस्याओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की और रंगारंग एवं उल्लासपूर्ण वातावरण में आयोजन को यादगार बनाया। शाखा अध्यक्ष श्रीमती ऋतु गोयल, सचिव राखी गोयल एवं कोषाध्यक्ष गीता शर्मा ने संस्कृति सप्ताह को सफल बनाने में सहयोग करने वाली सभी सदस्याओं एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

सिंगापुर में सीए धनंजय ओझा को मिला बिजनेस चैंपियन अवॉर्ड

वाराणसी, जीएनएस।
चार्टर्ड अकाउंटेंट,लेखक एवं स्टार्टअप व एमएसएमई क्षेत्र में सक्रिय सीए धनंजय ओझा,एफसीए को सिंगापुर में आयोजित प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय व्यावसायिक आयोजन द बिज़नेस शो एशिया में बिज़नेस चैंपियन अवार्ड से सम्मानित किया गया 7 यह सम्मान उन्हें स्टार्टअप,एमएसएमई,उद्यमिता,निवेश एवं बिजनेस इकोसिस्टम के क्षेत्र में उनके योगदान और उद्यमियों को आगे बढ़ाने के लिए किए जा रहे प्रयासों के लिए प्रदान किया गया 7 द बिज़नेस शो एशिया के दौरान विभिन्न देशों के उद्यमियों, निवेशकों,बिजनेस लीडर्स और इनोवेटर्स ने भाग लिया 7 सीए धनंजय ओझा को इस अंतरराष्ट्रीय मंच पर बिजनेस एवं निवेश जगत से जुड़े प्रतिनिधियों के साथ संवाद करने,विचारों का आदान-प्रदान करने तथा भारत और सिंगापुर के बीच व्यावसायिक सहयोग की संभावनाओं पर चर्चा

सिंगापुर में आयोजित द बिज़नेस शो एशिया में अंतरराष्ट्रीय मंच पर मिला सम्मान

करने का अवसर मिला ।

सम्मान प्राप्त करने के बाद सीए धनंजय ओझा ने कहा यह सम्मान मेरे लिए केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं,बल्कि उन सभी लोगों के विश्वास और सहयोग का परिणाम है जो मेरी यात्रा का हिस्सा रहे हैं 7 मेरा प्रयास रहेगा कि स्टार्टअप और एमएसएमई को निवेश,वित्तीय मार्गदर्शन एवं वैश्विक अवसरों से जोड़कर अधिक से अधिक उद्यमियों को आगे बढ़ने में सहयोग किया जाए 7 उन्होंने इस उपलब्धि के लिए भगवान शिव-महादेव के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त करते हुए अपने माता -पिता के आशीर्वाद और संस्कारों को अपनी यात्रा की आधारशिला बताया 7 साथ ही उन्होंने अपनी पत्नी प्रज्ञा जी के निरंतर सहयोग,प्रोत्साहन और धैर्य के लिए विशेष आभार व्यक्त किया। सीए धनंजय ओझा ने अपने परिवार, गुरुजनों,सहयोगियों,टीम सदस्यों,ग्राहकों, बिजनेस पार्टनर्स,मित्रों एवं शुभचिंतकों के प्रति भी आभार जताते हुए यह सम्मान उन्हें समर्पित किया 7 उन्होंने कहा कि यह अंतरराष्ट्रीय सम्मान उनके लिए एक नई जिम्मेदारी भी है आने वाले समय में उनका लक्ष्य स्टार्टअप ग्रोथ,एमएसएमई विकास,जिम्मेदार निवेश,उद्यमिता और वैश्विक व्यापारिक सहयोग को बढ़ावा देने के साथ भारत और सिंगापुर के बिजनेस इकोसिस्टम के बीच मजबूत संबंध स्थापित करने की दिशा में कार्य करना है।

बारिश में गरीब का आशियाना ढहा, मलबे में दब गई सिलाई मशीन

जालौन, जीएनएस।
नगर के मोहल्ला मिर्जामंडी सदर बाजार में लगातार तीन दिनों से हो रही बारिश के बीच एक गरीब परिवार का कच्चा मकान भरभराकर गिर गया। मकान गिरने से गृहस्थी का सामान मलबे में दब गया।व दो लोग भी दबकर घायल हो गये वहीं परिवार की जीविका का साधन सिलाई मशीन भी मलबे में दबकर क्षतिग्रस्त हो गई। इससे परिवार के सामने रहने के साथ ही रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है।

मोहल्ला मिर्जामंडी सदर बाजार निवासी अख्तर अपने कच्चे घर में सिलाई का काम कर परिवार का भरण-पोषण करता हैं। उनके परिवार में मां शाबरा, पत्नी मुनिया,

चार वर्षीय बेटा हसन और 21 वर्षीय छोटी बहन शाहीन हैं। लगातार हो रही बारिश के कारण उनका कच्चा मकान अचानक भरभराकर गिर गया।

जिसमें मां साबरा व उसका बेटा अरशैन? दब गये कड़ी मशक्कत के बाद उन्हे निकाला गया हालांकि वह सही सलामत थे वही घर के मलबे में सिलाई मशीन दब जाने से उनकी आय का मुख्य साधन भी छिन गया। पीड़ित परिवार के मुताबिक, आर्थिक स्थिति ठीक न होने के कारण वह पक्के मकान का निर्माण कराने में सक्षम नहीं हैं।

यमुना तट पर कजली मेले में शामिल भक्तों शामिल भक्तों ने नरसिंह भगवान के किए दर्शन

जालौन, जीएनएस।
यमुना नदी के किनारे स्थित नगर के पीला घाट मोहल्ला महमूदपुरा में परम्परागत आयोजित कजली मेले में महिलाओं तथा भक्तों ने श्रद्धापूर्वक हिस्सा लिया नगर पालिका अध्यक्ष अरविंद यादव व सभासदों ने अपने साथियों के साथ शामिल हो कर प्राचीन नरसिंह टीला मंदिर पहुंचकर नरसिंह भगवान के दर्शन किए और पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की।

स्थानीय नगर के यमुना नदी के तट में आयोजित मेले में भक्तों की भारी भीड़ रही कजली मेले का आयोजन प्रतिवर्ष रक्षाबंधन के बाद किया जाता है। मेले के दौरान

यमुना नदी में महिलाओं द्वारा कजलियों (भुजरियों) के विसर्जन की परंपरा भी निभाई गई पालिकाध्यक्ष अरविंद यादव के मुताबिक मेला बुंदेलखंड की वीरता और गौरवशाली इतिहास की याद दिलाता है कजली मेला केवल धार्मिक अथवा ऐतिहासिक आयोजन ही नहीं, बल्कि सामाजिक सद्भाव और भाईचारे का भी प्रतीक है इसमें विभिन्न वर्गों के लोग उत्साहपूर्वक शामिल होते हैं।

एसडीएम तहसीलदार की देखरेख में एनडीआरफ टीम नदी से डूबे हुए युवक को तीसरे दिन निकालती हुई

जालौन, जीएनएस।
ग्राम मगरौल में मछली पकड़ने के दौरान पैर फिसलने से नून नदी में डूबे युवक का पता लगाने के लिये तीसरे दिन रविवार को एसडीआरएफ टीम ने सर्च आप्रेशन चलाया। वहीं एसडीएम विनय कुमार मौर्य, पुलिस क्षेत्राधिकारी राजेश कमल, तहसीलदार श्रीश कुमार मिश्रा नायब तहसीलदार मुकेश कुमार दिन भर जायजा लेते रहे।

खबर के मुताबिक दिनांक 28 -08- 2026 की दोपहर 3 बजे कालपी कस्बे के मुहल्ला निकासपुरा निवासी अशोक कुमार पुत्र हनुमान अपने भाई हिमांशु के साथ ग्राम मगरोल के पास नून नदी में मछली पकड़ रहा था। इसी दौरान अचानक पैर फिसलने से अशोक कुमार नदी में जा गिरा और

गहरे पानी में डूब गया था शुक्रवार तथा शनिवार को कालपी पुलिस उपजिलाधिकारी विनय कुमार मौर्य,सीओ राजेश कमल, तहसीलदार श्रीश कुमार मिश्रा नायब मुकेश कुमार की निगरानी में नाविकों तथा गोताखोरों व क्षेत्रीय लोगों की मदद से नदी में युवक की तलाश कराई, लेकिन काफी प्रयास के बाद भी उसका कोई सुराग नहीं मिला। लगातार दो दिनों की तलाश के बावजूद सफलता न मिलने से परिजनों की चिंता बढ़ गई है उपजिलाधिकारी विनय कुमार मौर्य ने एसडीआरएफ की टीम बुलाई गई। नायब तहसीलदार मुकेश कुमार ने बताया कि रविवार की सुबह एसडीआरएफ की टीम के लीडर बृजेश सिंह के नेतृत्व में एसडीआरएफ के जवान डूबे युवक का पता लगाने के लिये नदी में उतर गये हैं।

नागाजी साहित्य एवं कला परिषद की मासिक काव्य गोष्ठी में बिखरी काव्य की रंगीन छटा

पोरसा, जीएनएस।
नागाजी साहित्य एवं कला परिषद के तत्वावधान में एम.आर. गार्डन, अटेर रोड, पोरसा में मासिक काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में अंचल के कवियों के साथ-साथ बाहर से आए साहित्यकारों ने भी अपनी रचनाओं का पाठ कर श्रोताओं को साहित्यिक रस से सराबोर कर दिया। कार्यक्रम में कवियों ने विभिन्न विषयों पर अपनी रचनाएं प्रस्तुत कीं। रक्षा बंधन के पावन पर्व को केंद्र में रखते हुए कवियों ने भाई-बहन के अटूट प्रेम और स्नेह के रिश्ते को गीतों के माध्यम से अभिव्यक्त किया। वहीं, कुछ कवियों ने भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव जन्माष्टमी की धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्ता को अपनी रचनाओं में रेखांकित किया।

शिक्षक दिवस के अवसर पर भी कवियों ने गुरु की महिमा, उनके योगदान और जीवन में गुरु के महत्व को अपनी कविताओं के माध्यम से प्रस्तुत किया।

काव्य गोष्ठी में कवि राजेश सिंह तोमर 'दोषी' ने श्रृंगार रस से सराबोर अपनी गजल के माध्यम से विशेष छाप छोड़ी। उनकी पंक्तियां– ÷फूलों का कत्ल करो तो तितली से इजाजत लो, क्योंकि खिलते फूलों को मत तोड़ा करो, वो सिर्फ और सिर्फ तितलियों के लिए ही खिलते हैं। ने श्रोताओं की खूब वाहवाही बटोरी। उनकी रचना में फूल और तितली के प्रतीकों के माध्यम से प्रेम और संवेदनाओं को खूबसूरती से अभिव्यक्त किया गया। इस अवसर पर डॉ. लाल सिंह किरार, अम्बाह, डॉ. आशीष सरोज थापक, डॉ. सुरेंद्र सिंह तोमर, वीरेंद्र फौजी 'अलबेला', महेंद्र सिंह चौहान 'अबोध', हाकिम सिंह तोमर, रामरूप सिंह तोमर 'नेताजी', राजेश सिंह तोमर 'दोषी', हरिओम गुप्ता आदि।

भरत तिवारी एनकाउंटर केस पहुंचा पटना हाईकोर्ट, कोर्ट में हुई जोरदार बहस

नई दिल्ली, जीएनएस।
भोजपुर जिले (बिहार) के चर्चित भरत भूषण तिवारी एनकाउंटर मामले से जुड़ी जानकारी देते हुए सुप्रीम कोर्ट ऑफ़ इंडिया के वरिष्ठ अधिवक्ता संजीव कुमार सिंह ने बताया कि भरत तिवारी एनकाउंटर मामले में आरा कोर्ट में जोरदार बहस हुई। पुलिस को कोर्ट ने फटकार लगाई हैं। अब गुनहगार नहीं बचेंगे। सभी पर कार्यवाही की जाएगी। छ्व्रह्र या स्ढ्ढञ्ज जांच के लिए राष्ट्रपति भवन से भी करवाई हो रही हैं। भरत भूषण तिवारी के परिवार के लोगों की जान का खतरा हैं, उनकी सुरक्षा की माँग की गयी हैं। पटना हाई कोर्ट में याचिका पर सुनवाई होनी हैं। उन्होंने आगे कहा कि यह मामला 17 जून 2026 को भोजपुर जिले के शाहपुर थाना क्षेत्र के बिलाउति गांव में हुए पुलिस एनकाउंटर से संबंधित है, जिसे परिजनों ने फर्जी और सुनियोजित हत्या बताया है।

आरा कोर्ट का एक्शन÷ आरा सिविल कोर्ट के मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी (CJM) ने इस मामले में तत्कालीन एसडीएम, एसडीपीओ और थानाध्यक्ष सहित 11 आरोपियों के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया था।

नवीनतम कार्रवाई÷ अदालत ने भोजपुर एसपी को मामले में अब तक की गई कार्रवाई और जांच रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया था। इसके अलावा, इस मामले की न्यायिक जांच सेवानिवृत्त न्यायाधीश विनोद कुमार की अध्यक्षता वाले आयोग द्वारा की जा रही है।

एसपी को निर्देश÷ अदालत ने भोजपुर के पुलिस अधीक्षक (स्क्क) को सख्त आदेश दिया था कि वे 12 अगस्त 2026 तक सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश करें। साथ ही, भरत तिवारी के परिवार के वकील संजीव कुमार सिंह द्वारा रखे गए 11 प्रमुख बिंदुओं पर की गई कार्रवाई की जांच रिपोर्ट भी कोर्ट ने मांगी है।

जांच और गिरफ्तारियों की स्थिति: STF जवान की गिरफ्तारी÷ इस मामले में अब तक कार्रवाई करते हुए पुलिस ने एसटीएफ (स्ञ्जस्न) के आरोपी जवान अक्षय सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। अन्य आरोपियों पर कानूनी शिकंजा कसा जा रहा है। हाई-लेवल न्यायिक जांच÷ मामले की संवेदनशीलता और बढ़ते राजनीतिक व सामाजिक विरोध को देखते हुए, मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में एक स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच आयोग का गठन किया है, जो वर्तमान में साक्ष्यों की जांच कर रहा है।

भुजरिया तालाब की गंदगी पर आस्था के पर्व के मध्यनजर हिंदू समाज से एक बड़ा सवाल

शिवपुरी, जीएनएस।
स्नेह, प्रेम और भाई-बहन के पवित्र रिश्ते का पर्व रक्षाबंधन पूरे जिले में धूमधाम से मनाया गया। इसी अवसर पर शिवपुरी शहर की धार्मिक और सामाजिक परंपराओं से जुड़ा भुजरिया तालाब एक बार फिर चर्चा के केंद्र में होना चाहिए। यह वही तालाब है, जहां प्रतिवर्ष शहर के अनेक हिंदू परिवार भुजरियाओं का विसर्जन करते हैं। सवाल यह है कि जिस जलाशय से हजारों लोगों की धार्मिक आस्था जुड़ी है, उसकी दुर्दशा पर आखिर जिम्मेदारों की नजर क्यों नहीं पड़ती?

सवाल पूछने से पहले उस व्यवस्था की तस्वीर भी देखनी होगी, जिसके बीच यह तालाब बदहाल है।

देश में हिंदू बहुसंख्यक समाज की सरकार है। प्रदेश में हिंदू समाज से आने वाले मुख्यमंत्री हैं। शिवपुरी जिले में हिंदू आबादी का बड़ा हिस्सा निवास करता है। जिला प्रशासन से लेकर अनुविभागीय और तहसील स्तर तक जिम्मेदार अधिकारी मौजूद हैं। नगर पालिका में अध्यक्ष, सीएमओ और अधिकांश जनप्रतिनिधि भी हिंदू समाज से आते हैं। तालाब के आसपास रहने वाले लोग हिंदू हैं और इस तालाब का धार्मिक उपयोग करने वाले भी हिंदू परिवार ही हैं।

फिर सवाल सीधा है जब भुजरिया तालाब के चारों तरफ आस्था भी हिंदू समाज की है, जनप्रतिनिधि भी हिंदू समाज से हैं और प्रशासनिक व्यवस्था भी मौजूद है, तो फिर इस तालाब की गंदगी आखिर किसे दिखाई नहीं दे रही?

आस्था के नाम पर बड़े-बड़े दावे, लेकिन अपने शहर का तालाब बदहाल क्यों?

आज हिंदू धर्म, संस्कृति और परंपराओं की रक्षा की बातें बड़े मंचों से होती हैं। धार्मिक आयोजनों में हजारों-लाखों रुपये खर्च किए जाते हैं। बड़े-बड़े धार्मिक प्रकल्पों की घोषणाएं होती हैं। संत-महात्माओं और धार्मिक नेताओं के आगमन पर शहर में उत्साह दिखाई देता है।

शिवपुरी में बागेश्वर धाम के धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री भी आ चुके हैं उस समय संपूर्ण शहर को पोस्टर बैनरों से सजाया गया और भगवान शंकर की विशाल प्रतिमा जैसे धार्मिक प्रकल्पों को लेकर चर्चा हुई है। ऐसे बड़े धार्मिक संकल्प

निश्चित रूप से आस्था का विषय हो सकते हैं।

लेकिन एक सवाल उनसे भी है और हम सभी से भी

क्या भगवान शिव की विशाल प्रतिमा बनाने से पहले उस शहर के छोटे-छोटे धार्मिक और प्राकृतिक स्थलों की सफाई नहीं होनी चाहिए?

अगर हमारे सामने ही एक ऐसा तालाब बदहाल पड़ा है, जिसका नाम ही भुजरिया जैसी धार्मिक परंपरा से जुड़ा है, तो क्या उसकी सफाई करवाना भी धर्म और संस्कृति की रक्षा का हिस्सा नहीं है?

तालाब में गंदगी, कुंभी और खुली सीवर लाइन

स्थानीय स्तर पर सामने आ रही तस्वीरों और लोगों की शिकायतों के अनुसार भुजरिया तालाब गंदगी, जलकुंभी और अन्य कचरे से जूझ रहा है। तालाब में सीवर लाइन का पानी पहुंचने अथवा पाइप खुले होने की स्थिति भी चिंता का विषय बताई जा रही है।

यह केवल सौंदर्य का प्रश्न नहीं है।

यह जल संरक्षण, पर्यावरण, सार्वजनिक स्वास्थ्य और धार्मिक आस्था–चारों से जुड़ा सवाल है।

जिस तालाब में धार्मिक परंपरा के तहत भुजरियाओं का विसर्जन होता है, वहां यदि गंदगी और सीवर का पानी पहुंच रहा है तो यह पूरे शहर के लिए शर्मनाक स्थिति है।

हिंदुत्व केवल नारों और मंचों तक सीमित क्यों?

आज हिंदुत्व की चर्चा हर जगह है। मंदिरों की बात होती है, विशाल प्रतिमाओं की बात होती है, धार्मिक यात्राओं और आयोजनों की बात होती है।

लेकिन हिंदू संस्कृति केवल मंदिर और प्रतिमा तक सीमित नहीं है।

जल की पूजा भी हमारी परंपरा है। प्रकृति की रक्षा भी हमारी संस्कृति है। नदियों, तालाबों और कुओं को संरक्षित करना भी हमारी जिम्मेदारी है।

यदि कोई व्यक्ति भगवान शिव के नाम पर विशाल प्रतिमा बनाने की कल्पना करता है, तो वह निश्चित रूप से स्वागत योग्य धार्मिक भावना हो सकती है। लेकिन भगवान शिव की जटाओं से निकलने वाली गंगा का संदेश भी तो यही है कि जल को पवित्र और संरक्षित रखा जाए।

फिर अपने शहर के तालाब में गंदगी क्यों?

सवाल किसी एक व्यक्ति से नहीं, पूरी व्यवस्था से है

भुजरिया तालाब की स्थिति के लिए केवल नगर पालिका को दोष देकर बात खत्म नहीं होनी चाहिए। सवाल पूरे प्रशासनिक तंत्र, जनप्रतिनिधियों और समाज से है।

जिला प्रशासन को देखना चाहिए कि तालाब में गंदा पानी कहां से आ रहा है। नगर पालिका को यह देखना चाहिए कि जलकुंभी और कचरे की नियमित सफाई क्यों नहीं हो रही। जनप्रतिनिधियों को यह सवाल उठाना चाहिए कि शहर के धार्मिक और ऐतिहासिक जलाशयों का संरक्षण कब होगा। और समाज को भी यह तय करना होगा कि धार्मिक पर्व समाप्त होने के बाद वह अपने धार्मिक स्थलों की जिम्मेदारी से मुंह नहीं मोड़ेगा।

दिखावे से नहीं, जिम्मेदारी से बचेगी संस्कृति

हम मंदिरों को सजाएं, धार्मिक आयोजन करें, भगवान की विशाल प्रतिमाएं बनाएं–यह सब हमारी आस्था का हिस्सा हो सकता है।

लेकिन इसके साथ यह भी जरूरी है कि हम अपने आसपास की धरती, जल और पर्यावरण को बचाएं।

धर्म के नाम पर भाषण देना आसान है। हिंदू संस्कृति बचाने की बात करना आसान है। बड़ी-बड़ी घोषणाएं करना भी आसान है।

मुश्किल काम है–अपने शहर के एक बदहाल तालाब को साफ करवाना।

15 दिवसीय 44वें झूलन महोत्सव में पहुंचे कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी ने विधिविधान से किया गिरिराज पूजन

(डॉ. गोपाल चतुर्वेदी)

वृन्दावन। रमणरेती क्षेत्र स्थित श्रीजी सदन (फोगला आश्रम) में वृन्दावन रासलीला संस्थान व श्रीभगवान भजनाश्रम के संयुक्त तत्वावधान में श्रावण मास के अवसर पर चल रहे 15 दिवसीय 44वें झूलन महोत्सव के अंतर्गत प्रख्यात रासाचार्य स्वामी डॉ. देवकीनंदन शर्मा के निर्देशन में गिरिराज पूजा, गोवर्धन लीला व 56 भोग दर्शन का आयोजन अत्यंत श्रद्धा व धूमधाम के साथ सम्पन्न हुआ।

महोत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में पहुँचे उत्तर प्रदेश शासन के कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी, श्रीभगवान भजनाश्रम के अध्यक्ष चांदबिहारी पाटोदिया, प्रमुख भाजपा नेता पण्डित योगेश

द्विवेदी, प्रख्यात साहित्यकार ÷यूपी रत्न÷ डॉ. गोपाल चतुर्वेदी एवं सैकड़ों भक्तों-श्रद्धालुओं ने वैदिक मंत्रोच्चार के मध्य श्रीगिरिराज शिला का दुग्धाभिषेक कर उनका पूजन-अर्चन किया।

मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश शासन के कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने द्वापर युग में देवराज इंद्र के स्थान पर गिरिराज गोवर्धन की पूजा करवाई थी।श्रीगिरिराज गोवर्धन कलयुग के प्रत्यक्ष देवता हैं,जो साक्षात रूप से ब्रजभूमि में विद्यमान होकर हम सब ब्रजवासियों की रक्षा करते हैं।साथ ही जो भक्त सच्चे मन से गिरिराज गोवर्धन की भक्ति करता है,गिरिराज बाबा उसकी सभी मनोकामना पूर्ण करते हैं। प्रख्यात साहित्यकार ÷यूपी रत्न÷ डॉ. गोपाल चतुर्वेदी एवं प्रमुख भाजपा नेता पण्डित योगेश द्विवेदी ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने गिरिराज गोवर्धन की पूजा करवा कर प्रकृति के महत्व को उजागर किया। प्रकृति के संरक्षण व संवर्द्धन से ही मानव जीवन स्वस्थ्य व समृद्ध हो सकता है।गिरिराज गोवर्धन साक्षात् भगवान श्रीकृष्ण के स्वरूप होते हुए भी प्रकृति को अपनी भुजाओं से संजोए हुए हैं। महोत्सव में बिहारीलाल सर्राफ, प्रमुख समाजसेवी नरदेव चौधरी, भारत भूषण शर्मा, सौरभ शर्मा, युवा साहित्यकार डॉ. राधाकांत शर्मा आदि के अलावा विभिन्न क्षेत्रों के तमाम गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। इस अवसर पर संत, ब्रजवासी, वैष्णव सेवा (अन्नकूट प्रसादी) का आयोजन भी संपन्न हुआ। जिसमें सैकड़ों व्यक्तियों ने भोजन प्रसाद ग्रहण किया।

लायंस क्लब ग्वालियर सिटी द्वारा मिसेज ग्वालियर का फाइनल 16 सितंबर को

ग्वालियर, जीएनएस।
लायंस क्लब ग्वालियर सिटी द्वारा महानगर में पहली बार मिसेज ग्वालियर प्रतियोगिता का आयोजन शहर के एक प्रतिष्ठित होटल में आयोजित किया जाएगा उक्त जानकारी लायंस क्लब के अध्यक्ष धीरज भटनागर किशोर सिंह चौहान समशेद बेग सुशील कटारे नितिन अग्रवाल ने एक पत्रकार वार्ता में दी उन्होंने जानकारी जीते हुए बताया की महिलाओं की प्रतिभा व्यक्तित्व एवं आत्मविश्वास को एक प्रतिष्ठित मंच प्रदान करने के उद्देश्य से यह कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है कार्यक्रम का फाइनल राउंड 16 सितंबर को ग्रहण कैंसल मेला ग्राउंड के पास आयोजित किया जाएगा उन्होंने बताया प्रतियोगिता के लिए दो आयु वर्गों में प्रविष्टियां आमंत्रित की गई हैं वर्ग ए में 40 वर्ष तक की आयु तथा वर्ग बी में 40 वर्ष से अधिक आयु की महिलाएं भाग ले सकेंगे प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए रजिस्ट्रेशन शुल्क?1000 निर्धारित किया गया है वहीं पंजीयन की अंतिम तिथि 6 सितंबर रखी गई है आयोजन की विशेष बात यह रहेगी प्रतियोगिता भाग लेने वाली प्रत्येक प्रतिभागी को चांदी का राम दरबार एवं अन्यायुक्त प्रदान किए जाएंगे तथा विजेताओं को लगभग ?50000 का पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे उन्होंने बताया प्रतियोगिता का स्क्रीनिंग राउंड 8 सितंबर को होटल लैंडमार्क के दरबार हॉल में आयोजित किया जाएगा।

अचलेश्वर मंदिर से महाराज बाड़ा तक मुख्य मार्गों को कराया अतिक्रमण मुक्त

नगर निगम की मदाखलत टीम की कार्रवाई, अवैध हाथ ठेले एवं फुटपाथों पर लगे बैनर-कटआउट हटाए

ग्वालियर, जीएनएस।
नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी के निर्देशानुसार शहर में यातायात एवं आवागमन को सुगम बनाने तथा मुख्य मार्गों को अतिक्रमण मुक्त रखने के लिए नगर निगम की मदाखलत टीम द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में रविवार, 30 अगस्त 2026 को नोडल अधिकारी श्री केशव सिंह चौहान एवं मदाखलत अधिकारी श्री शैलेंद्र सिंह चौहान के निर्देश पर पूर्व विधानसभा क्षेत्र में कार्रवाई की गई।

मदाखलत अमले द्वारा

अचलेश्वर मंदिर के समीप मुख्य मार्ग पर अवैध रूप से लगाए गए हाथ ठेलों को हटवाया गया तथा एक हाथ ठेला जप्त किया गया। इसके पश्चात गांधी रोड क्षेत्र में अनाधिकृत रूप से लगाए गए बैनर एवं कटआउट भी हटवाए गए।

इसी क्रम में महाराज बाड़ा क्षेत्र के सुभाष मार्केट, नजरबाग मार्केट, टॉपी बाजार, एसबीआई बैंक क्षेत्र, हेमू चौक, छापाखाना, स्काउट एवं गांधी मार्केट सहित विभिन्न प्रमुख मार्गों पर कार्रवाई करते हुए सड़क एवं फुटपाथ पर लगाए गए हाथ ठेले तथा फड़ हटवाए गए। कार्रवाई के दौरान मुख्य मार्गों को व्यवस्थित एवं आवागमन योग्य कराया गया।

नगर निगम अधिकारियों ने संबंधित दुकानदारों एवं हाथ ठेला संचालकों को निर्देशित किया कि वे सार्वजनिक मार्गों एवं फुटपाथों पर अतिक्रमण न करें तथा निर्धारित स्थानों पर ही अपना व्यवसाय संचालित करें। निगम द्वारा स्पष्ट किया गया कि मुख्य मार्गों एवं फुटपाथों पर दोबारा अतिक्रमण किए जाने पर नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। उक्त कार्रवाई के दौरान मदाखलत निरीक्षक श्री सुघर सिंह सिसोदिया सहित मदाखलत अमला मौके पर उपस्थित रहा।

हिन्दी दैनिक
श्रमसाधना
आपकी दुःख की घड़ी में
श्रमसाधना सदैव आपके साथ है
उठावनी/रस्म पगड़ी
का प्रकाशन
निःशुल्क
सम्पर्क करें
ग्वालियर
0751-2625029
9074257600
शिवपुरी
07492-232149
8251071286
E-mail : shramsadhnagwl@gmail.com

सफलता की कहानीः राहुल गोडिया के सपनों को मिली नई उड़ान...

ग्वालियर, जीएनएस।
मेहनत, लगन और सही समय पर मिले अवसर से जीवन की दिशा बदली जा सकती है। राहुल गोडिया ने इसे सच कर दिखाया है। आर्थिक चुनौतियों के बीच स्वरोजगार का सपना देख रहे राहुल को प्रदेश सरकार द्वारा संचालित टंट्या मामा आर्थिक कल्याण योजना का सहारा मिला है। उन्होंने इस योजना से ऋण एवं अनुदान लेकर अपना डीजे एवं एलईडी लाइट कार्य शुरू किया। आज यही स्वरोजगार उनके लिए आत्मनिर्भरता और आर्थिक सशक्तिकरण का माध्यम बन गया है। ग्वालियर शहर के किलागेट क्षेत्र की लधेड़ी बस्ती निवासी राहुल गोडिया लंबे समय से स्वयं का व्यवसाय शुरू करना चाहते थे। सीमित आर्थिक संसाधनों के कारण उनके सामने सबसे बड़ी चुनौती व्यवसाय शुरू करने के लिए आवश्यक पूंजी जुटाने की थी। ऐसे समय में उन्हें आदिवासी वित्त एवं विकास निगम के माध्यम से संचालित टंट्या मामा आर्थिक कल्याण योजना के बारे में जानकारी मिली। राहुल ने इस योजना के तहत आर्थिक मदद प्राप्त करने के लिये जनजाति कल्याण विभाग के कार्यालय में

संपर्क किया। टंट्या मामा आर्थिक कल्याण योजना के अंतर्गत राहुल को पंजाब नेशनल बैंक की जेल रोड शाखा से 89 हजार 100 रुपये की ऋण सहायता स्वीकृत हुई। इस आर्थिक सहयोग से उन्होंने डीजे एवं एलईडी लाइट से संबंधित आवश्यक उपकरण एवं संसाधन जुटाकर अपना कार्य प्रारंभ किया। व्यवसाय शुरू होने के बाद उन्हें अपनी मेहनत और हुनर को रोजगार में बदलने का अवसर मिला। धीरे-धीरे उनके कार्य को स्थानीय स्तर पर पहचान मिलने लगी और उनकी आय का नियमित स्रोत तैयार हुआ। राहुल बताते हैं कि स्वरोजगार ने न केवल उन्हें आर्थिक रूप से मजबूत बनाया, बल्कि आत्मविश्वास भी बढ़ाया है। अब वे अपने परिवार की जरूरतों को बेहतर ढंग से पूरा करने के साथ भविष्य के लिए भी नई योजनाएं बना पा रहे हैं। उनका कहना है कि सरकार से मिली आर्थिक सहायता ने उन्हें किसी पर निर्भर रहने के बजाय स्वयं अपने पैरों पर खड़े होने का अवसर दिया है। राहुल को योजना के तहत ऋण भुगतान पर 7 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से ब्याज अनुदान का लाभ भी मिल रहा है। यह सहायता उनके लिए व्यवसाय को व्यवस्थित रूप से आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण साबित हो रही है।

पुलिस विभाग ग्वालियर से सेवानिवृत्त हुए पुलिस अधिकारी व कर्मियों को एसएसपी ग्वालियर ने दी विदाई

ग्वालियर, जीएनएस।
आज दिनांक को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ग्वालियर श्री धर्मवीर सिंह, भापुसे द्वारा पुलिस विभाग से आज सेवानिवृत हुए 10 पुलिस अधिकारी व कर्मचारियों को विदाई दी गई। इस मौके पर अति0 पुलिस अधीक्षक (शहर-पूर्व) डॉ. शिवेश सिंह बघेल, प्रशिक्षु भापुसे श्री मनोज कुमार, प्रशिक्षु डीएसपी सुश्री अनुश्री वार्ष्णेय, रक्षित निरीक्षक ग्वालियर श्री रणजीत सिंह सिकरवार सूबेदार सोनम पाराशर, मुख्य लिपिक अनिल यादव सहित कार्यालयीन स्*टाफ एवं सेवानिवृत हुए पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी व उनके परिजन उपस्थित रहे।
आज पुलिस कन्ट्रोल रूम ग्वालियर सभागार में पुलिस सेवा से सेवानिवृत्त हो रहे 10 पुलिस

अधिकारी व कर्मचारियों के लिये विदाई समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ग्वालियर द्वारा पुलिस अधिकारियों की ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा और समर्पण को नमन करते हुए उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि आज आप पुलिस विभाग से सेवानिवृत्त हो रहे हैं, लेकिन आपकी सेवाएँ, अनुभव और अनुशासन हमेशा समाज के लिए प्रेरणास्रोत बने रहेंगे। इस लंबी सेवा यात्रा में आपके परिवार का त्याग, सहयोग और समर्पण भी उतना ही महत्वपूर्ण रहा है, जिसने हर परिस्थिति में आपका साथ दिया।
वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ग्वालियर ने सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों से नौकरी के दौरान उनके अनुभवों को भी साझा किया। इस अवसर पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ग्वालियर ने सेवानिवृत्त हुए पुलिसकर्मियों से उनके भविष्*य के कार्यकलापों के बारे में जाना तथा उनको सेवानिवृत्त उपरांत स्*वयं को सामाजिक कार्यों में व्*यस्*त करने की सलाह दी जिससे अभी तक रही व्*यस्*तता की दिनचर्या से बाहर निकलने में मदद मिलेगी। कार्यक्रम के समापन पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ग्वालियर ने आज सेवानिवृत्त हो रहे पुलिस कर्मियों को प्रमाण पत्र व स्मृति चिन्ह देकर उनके बेहतर स्वास्थ्य व उज्जवल भविष्य की कामना की।
सेवानिवृत्त होने वाले पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी इस प्रकार हैं- निरी0 सुधीर सिंह कुशवाह, उनि0 राजू अहिरवार, उनि0 रामकुमार पाठक, उनि0 हजूरी लाल, उनि0 राधाकृष्ण, सउनि0 नाथुआ जाटव, सउनि0 उदयप्रताप सिंह, सउनि0 बाबू सिंह, प्रआर0 महेन्द्रपाल, प्रआर0 हरप्रसाद शर्मा।

युवा देश का भविष्य ही नहीं, वर्तमान की सबसे बड़ी ताकत हैं: संजीव नायक

लहार क्षेत्र में नई पीढ़ी से सीधे जुड़कर उनकी सोच, चुनौतियों और अपेक्षाओं को समझने के उद्देश्य से चलाए जा रहे ÒConnect with Gen ZÓ अभियान की श्रृंखला में अधिवक्ता संजीव नायक ने नगर लहार में जेन जी एवं टीनएजर्स के साथ संवाद किया। इस दौरान स्वास्थ्य, नशा मुक्ति, शिक्षा, करियर, साइबर सुरक्षा और भविष्य निर्माण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर युवाओं के साथ आत्मीय एवं खुला संवाद हुआ।अधिवक्ता संजीव नायक ने कहा कि युवाओं को अपनी क्षमता पहचानकर समाज और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। यदि युवाओं को सही वातावरण, सकारात्मक मार्गदर्शन और अपनी बात रखने का अवसर मिले तो वे समाज में सकारात्मक बदलाव के मजबूत वाहक बन सकते हैं।
आगामी समय में ग्राम चौपालों, नगर क्षेत्रों एवं शैक्षणिक संस्थानों में भी युवाओं से संवाद स्थापित किया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक किशोरों और युवाओं को नशा मुक्ति, स्वास्थ्य जागरूकता, साइबर सुरक्षा और सकारात्मक भविष्य निर्माण के प्रति प्रेरित किया जा सके।
अधिवक्ता संजीव नायक ने कहा कि आज की युवा पीढ़ी केवल देश का भविष्य ही नहीं, बल्कि वर्तमान की सबसे बड़ी ताकत है। युवाओं को केवल सलाह देने के बजाय उनकी सोच को समझना, उनकी बात सुनना और उनकी समस्याओं एवं चुनौतियों पर संवाद करना जरूरी है।
इसी सोच के साथ ÒConnect with Gen ZÓ अभियान के माध्यम से नई पीढ़ी से निरंतर जुड़ने का प्रयास किया जा रहा है। वर्तमान समय में युवाओं के सामने शिक्षा और करियर की चुनौतियों के साथ-साथ नशे की बढ़ती प्रवृत्ति, सोशल मीडिया का प्रभाव, साइबर अपराध और बदलती जीवनशैली जैसी अनेक चुनौतियां हैं। ऐसे समय में युवाओं के साथ सकारात्मक और निरंतर संवाद स्थापित कर उन्हें सही दिशा देना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। कार्यक्रम में नशा मुक्ति को लेकर विशेष संवाद किया गया।

कोषालय में 100 रुपए के स्टाम्प खत्म होने से बड़ी परेशानी

इंदौर, जीएनएस।
इन दिनों कोषालय में 100 रुपए के स्टाम्प खत्म होने से लोगों की परेशानी बढ़ गई है। अकेले शहर के स्टाम्प विक्रेताओं के यहां भी स्टॉक खत्म हो गया है। स्टाम्प का टोटा पड़ने से जरूरतमंदों और वकीलों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। फिलहाल छुट्टी का माहौल है, लेकिन सोमवार से सभी कार्यालय खुलेंगे तो स्टाम्प की कमी की परेशानी का सही अंदाजा लगेगा। बताया जाता है कि पूर्व में जब 100 रुपए के स्टाम्प खत्म होते थे तो कोषालय अधिकारी हर स्टाम्प विक्रेता को समान रूप से 500-500 स्टाम्प देते थे, लेकिन अब ऐसा नहीं हो रहा है। कतिपय प्रभावी वेंडरों को अधिक तादाद में 100 रुपए के स्टाम्प दे दिए गए, जबकि छोटे स्टाम्प वेंडर परेशान हो रहे हैं। कोषालय में स्टाम्प खत्म होने के बाद जिला कोर्ट, कलेक्टर और जिला पंजीयन कार्यालय परिसर में स्टाम्प विक्रेताओं ने भी हाथ खड़े कर दिए हैं। स्टाम्प खत्म होने से सबसे ज्यादा परेशानी में छोटे स्टाम्प विक्रेता हैं। पूंजी कम होने से इन्होंने पहले से स्टॉक नहीं किया था। 100 रुपए के स्टाम्प का उपयोग नगर निगम, विद्युत मंडल, बैंक, अस्पताल, स्कूल-कॉलेज और अन्य जरूरी शपथ पत्र व नोटरी संबंधी कार्यों के लिए होता है। 100 रुपए के स्टाम्प उपलब्ध नहीं होने से लोगों को परेशानी हो रही है।

उठ रहे फायदा
बताते हैं कि बड़े स्टाम्प विक्रेताओं को खास फर्क नहीं पड़ा है, क्योंकि इनके पास पहले से ही लाखों के स्टाम्प मौजूद रहते हैं। सूत्रों के अनुसार, जिन बड़े विक्रेताओं के पास स्टाम्प उपलब्ध हैं, उनके द्वारा लोगों की मजबूरी का फायदा उठाकर 100 रुपए के स्टाम्प को 20 से 25 रुपए ज्यादा लेकर बेचा जा रहा है। इस मामले में जब जिला कोर्ट में छानबीन की गई तो अधिकतर स्टाम्प विक्रेताओं के यहां 100 रुपए के स्टाम्प नहीं मिले। स्टाम्प विक्रेता मजबूरन 50-50 रुपए के स्टाम्प दे रहे हैं, जिससे ग्राहकों को भी एक की बजाय 2 स्टाम्प खरीदना पड़ रहे हैं।

42 साल शिक्षा की सेवा के बाद प्रधानाध्यापक हवलदार सिंह तोमर हुए सेवानिवृत्त

पोरसा, जीएनएस।
शिक्षा के क्षेत्र में 42 वर्षों तक अपनी सेवाएं देकर विद्यार्थियों के जीवन को संवारने वाले श्री हवलदार सिंह तोमर सोमवार को शासकीय कन्या माध्यमिक विद्यालय, पोरसा से प्रधानाध्यापक के पद से सेवानिवृत्त हुए। विद्यालय परिसर में उनके सम्मान में विदाई समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान शिक्षा विभाग के अधिकारियों, प्राचार्य, शिक्षकों एवं सहकर्मियों ने उन्हें शॉल, श्रीफल, श्रीमद्भगवद्गीता और रामायण भेंट कर सम्मानित किया तथा उनके उज्ज्वल एवं स्वस्थ सेवानिवृत्त जीवन की शुभकामनाएं दी

16 जनवरी 1984 से शुरू किया था सफर
हवलदार सिंह तोमर का जन्म पोरसा क्षेत्र के ग्राम छतरपुरा में हुआ। उन्होंने 16 जनवरी 1984 से शिक्षा विभाग में अपनी सेवाएं शुरू की थीं। 42 वर्षों की लंबी सेवा के दौरान उन्होंने हजारों विद्यार्थियों को शिक्षा प्रदान की और अपने कर्तव्य के प्रति समर्पित रहकर शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनके द्वारा पढ़ाए

गए अनेक विद्यार्थी आज देश के विभिन्न क्षेत्रों में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। उनके शिष्यों में कई डॉक्टर हैं, तो कई विद्यार्थी कृषि विभाग, शिक्षा विभाग, पुलिस और भारतीय सेना सहित विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर कार्यरत हैं। उनके लिए यह उपलब्धि किसी पुरस्कार से कम नहीं है। सेवानिवृत्ति के अवसर पर अपने अनुभव साझा करते हुए हवलदार सिंह तोमर ने कहा कि उनके माता-पिता श्रीमती बड़ी बेटी तोमर एवं श्री माधौ सिंह तोमर का हमेशा यही कहना था कि शिक्षा के बिना जीवन अधूरा है। उन्होंने बचपन से ही उन्हें अधिक से अधिक लोगों को शिक्षित करने और उनके जीवन को ज्ञान के प्रकाश से रोशन करने की प्रेरणा दी।उन्होंने बताया कि माता-पिता की इसी सीख को जीवन का उद्देश्य बनाकर उन्होंने शिक्षा विभाग में 42 वर्षों तक विद्यार्थियों को शिक्षा देने का कार्य किया। उनके अनुसार, किसी व्यक्ति को शिक्षा देकर उसके जीवन को बेहतर दिशा देना एक प्रकार का पुण्य कार्य है।
विद्यालय परिसर में आयोजित विदाई समारोह में शिक्षा विभाग के अधिकारी, प्राचार्य एवं शिक्षकगण मौजूद रहे। कार्यक्रम में रविंद्र सिंह तोमर पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी ,,राजेश सिंह तोमर पूर्व प्राचार्य ,,,दिनेश शर्मा,राम सेवक सिंह तोमर, राधेश्याम शर्मा, शषवेन्द्र सिंह तोमर, दाताराम वर्मा, सौरभ शर्मा, विष्णु गुप्ता, राजेश बंसल, सुरेंद्र जैन सहित अनेक शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

आत्मकथा के पन्नों पर सवाल

सत्य के कितने रंग हैं, हर रंग का अपना राज,
किसके हिस्से में सच, किसके हिस्से है लाज।
कलम उठी है तो पन्नों पर यादों ने दस्तक दी,
बीते कल की तस्वीरों ने नई कहानी लिख दी।
किस्से निजी हो या इतिहास का है कोई पन्ना,
जब सच बाहर आने लगे, चकरा जाए सर ना।
किसी की अपनी जिंदगी, किसी की हर बात,
कौन तय करे आखिर कहाँ रुके कलम घात?
आत्मकथा के पन्नों में जो कुछ है लिखा गया,
वह केवल एक व्यक्ति नहीं दौर है दिखा गया।
पुस्तक छपेगी तब होगी, सवालों की बरसात,
किसने क्या कहा-क्या देखा, खुलेगी हर बात।
(संदर्भ-सोनिया गांधी की आत्मकथा छापने से पेंगुइन का इनकार)

संजय एम तराणेकर
(कवि, लेखक व समीक्षक)

खिलाड़ियो के लिए आदर्श है मेजर ध्यानचंद : श्री सोलंकी

श्योपुर, जीएनएस। शहर के पाली रोड स्थित देहात थाना खेल मैदान पर युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के मेरा युवा भारत केन्द्र एवं जिला खो-खो संघ के संयुक्त तत्वावधान में गत शनिवार को हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की जयंती के अवसर पर खो-खो प्रतियोगिता एवं हॉकी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें एक सेंकड़ा से अधिक खिलाड़ियो ने भाग लेकर मेजर ध्यानचंद के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि प्रकट की।

इस दौरान जिला खो-खो संघ के अध्यक्ष श्री बिहारी सिंह सोलंकी, उपाध्यक्ष श्री विष्णु सिंहल, कोच श्री डेलन सिंह तुमराची, मेरा युवा केन्द्र से सुश्री तनवी दुबे, मुक्तिबोध युवक मंडल के श्री गिर्राज किशोर शर्मा, कोच श्री पंकज शर्मा सहित कई

खिलाड़ी मौजूद रहे।

कार्यक्रम के प्रारम्भ में मेजर ध्यानचंद के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित की गई, इसके बाद खो-खो ग्राउंड की पूजा करते हुए बालक एवं बालिका वर्ग के जूनियर, सीनियर वर्ग के खिलाड़ियो के बीच मैच हुआ। इस मौके पर सम्बोधित करते हुए खो-खो संघ के अध्यक्ष श्री बिहारी सिंह सोलंकी ने कहा कि श्योपुर जिले में खेल प्रतिभाऐं राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर अपना लोहा मनवा चुकी हैं, यहां राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी मौजूद हैं तो वहीं कई खिलाड़ी अभी और है जो आने वाले दौर में हमारे जिले का नाम राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहुंचकर गौरव बढ़ायेंगे। इस दौरान बालक एवं बालिका वर्ग में प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ियो को मेडल एवं शील्ड भेंटकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर श्री दिनेश मंगल, श्री पूरणचंद शिवहरे, खो-खो संघ के सचिव श्री पंकज शर्मा, श्री शुभम बैरागी, शिक्षा विभाग से श्री देवेन्द्र सिकरवार, खेल विभाग से श्री आशीष शर्मा, श्री विनोद आदि मोजूद रहे।

ग्वालियर विकास प्राधिकरण के एस. ई. श्री डी.डी. मिश्रा जी एवं श्री संजय वर्मा प्लानर के रिटायरमेंट के अवसर पर अंगवस्त्र पहनकर उनका स्वागत अभिनंदन किया सुधीर गुप्ता वाइस चेयरमैन ग्वालियर विकास प्राधिकरण द्वारा और भविष्य के नए कार्यकाल के लिए हार्दिक शुभकामनाएं दी इस अवसर पर प्राधिकरण के अधिकारीगण कर्मचारी गण उपस्थित रहे।

गोरस में जनसंवाद कार्यक्रम 5 को

श्योपुर, जीएनएस। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान अंतर्गत श्योपुर जिले में 5 सितंबर शनिवार को जनसंवाद कार्यक्रम आदिवासी विकासखण्ड कराहल के ग्राम गोरस में आयोजित होगा। उल्लेखनीय है कि प्रत्येक शुक्रवार को जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित किये जाने के निर्देश है, उक्त निर्देशों के क्रम में शासन द्वारा शुक्रवार के दिन अवकाश होने की स्थिति में इसके अगले दिन शनिवार को शिविर आयोजित किये जाने के निर्देश दिये गये है। इसी क्रम में 4 सितंबर को जन्माष्टमी अवकाश होने की स्थिति में 5 सितंबर शनिवार को गोरस में जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा के निर्देशन में 5 सितंबर को गोरस में आयोजित जनसंवाद कार्यक्रम में ग्राम पंचायत गोरस, पिपरानी, रीछी, कलमी-ककरधा एवं कैलोर शामिल रहेंगे। इस अभियान के दौरान क्षेत्र भ्रमण, निरीक्षण एवं जनसंवाद के माध्यम से आम लोगों की शिकायतों का निराकरण किया जायेगा तथा शासकीय योजनाओं की निगरानी के साथ ही कल्याणकारी योजनाओं में शेष पात्र लोगों को लाभ देने की कार्यवाही की जायेगी। मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के तहत लगने जा रहे शिविर- जनसंवाद कार्यक्रम में भ्रमण क्षेत्र की लंबित सीएम हेल्पलाइन एवं जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों का शत प्रतिशत निराकरण किया जायेगा तथा लोक सेवा गारंटी के अधिनियम के अंतर्गत दर्ज भ्रमण क्षेत्र के लंबित प्रकरण भी निराकृत होंगे।

पिछोर विधानसभा क्षेत्र में स्वास्थ्य एवं विद्युत सुविधाओं को मिली नई सौगात

केंद्रीय मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने अछरौनी आयुष्मान आरोग्य मंदिर एवं चमरौआ विद्युत उपकेंद्र का किया लोकार्पण

शिवपुरी, जीएनएस। पिछोर विधानसभा क्षेत्र के विकास को नई गति देते हुए केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने अछरौनी में निर्मित आयुष्मान आरोग्य मंदिर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तथा चमरौआ 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र का लोकार्पण किया।

अछरौनी में लगभग 1.80 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित आयुष्मान आरोग्य मंदिर क्षेत्र के लोगों को बेहतर एवं सुलभ प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इस स्वास्थ्य केंद्र के माध्यम से आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के नागरिकों को प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ स्थानीय स्तर पर प्राप्त हो सकेगा। इसके साथ ही 1.95 करोड़ रुपये की लागत से तैयार किए गए चमरौआ 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र के लोकार्पण से क्षेत्र की विद्युत व्यवस्था को मजबूती मिलेगी। इससे आसपास की लगभग 20 से 25 हजार आबादी को प्रत्यक्ष लाभ मिलने की उम्मीद है। विद्युत आपूर्ति के अधिक सुचारु, सुदृढ़ एवं विश्वसनीय होने से आम नागरिकों के साथ-साथ किसानों, व्यापारियों और ग्रामीण क्षेत्रों के विकास को भी गति मिलेगी।

इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री श्री सिंधिया ने कहा कि सरकार का

मूल उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास की सुविधाएं पहुंचाना है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी व मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव के नेतृत्व में देशभर में स्वास्थ्य, बिजली, सड़क, शिक्षा और बुनियादी सुविधाओं के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य किए जा रहे हैं। सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास की भावना के साथ सरकार गांव, गरीब, किसान और आम नागरिक के जीवन को बेहतर बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

केंद्रीय मंत्री श्री सिंधिया के सतत प्रयासों और क्षेत्र के विकास के प्रति उनकी प्रतिबद्धता के परिणामस्वरूप पिछोर विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों को लगातार गति मिल रही है। स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार से लेकर विद्युत व्यवस्था को मजबूत बनाने तक, क्षेत्र की आवश्यकताओं को प्राथमिकता देते हुए महत्वपूर्ण परियोजनाएं धरातल पर उतर रही हैं। आयुष्मान आरोग्य मंदिर और चमरौआ विद्युत उपकेंद्र का लोकार्पण पिछोर विधानसभा क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इन दोनों परियोजनाओं के माध्यम से क्षेत्रवासियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं के साथ सुदृढ़ एवं निर्बाध विद्युत आपूर्ति का लाभ मिलेगा। आने वाले समय में भी पिछोर में 100 बिस्तर का निर्माणाधीन अस्पताल का ज़िक्र किया। उन्होंने कहा कि बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने का निरंतर प्रयास किया जा रहा है। आने वाले समय मे भी विधानसभा क्षेत्र को विकास की नई सौगातें मिलती रहेंगी और क्षेत्र प्रगति एवं समृद्धि की दिशा में निरंतर आगे बढ़ेगा।

पिछोर विधायक श्री प्रीतम लोधी ने क्षेत्र के विकास में आए बदलाव को रेखांकित किया और कहा कि पिछोर अब विकास के पथ पर अग्रसर है। श्री प्रीतम लोधी ने केंद्रीय मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया जी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि वे दिल्ली में बैठकर भी अपने क्षेत्र को लगातार सौगाते दे रहे है। अछरौनी का आरोग्य मंदिर हो या चमरौआ का विद्युत उपकेंद्र, यह सब केंद्रीय मंत्री श्री सिंधिया की दूरदर्शी सोच का ही परिणाम है। जिससे स्वास्थ्य केंद्र के अंतर्गत 4 उपस्वास्थ्य केंद्र आते हैं और इससे 20 गांवों की 30 हजार से अधिक आबादी को निर्बाध स्वास्थ्य सेवाएं मिलेंगी, जहाँ 299 प्रकार की दवाइयां तथा 80 प्रकार की जांचों की सुविधा उपलब्ध रहेगी।

विधायक श्री लोधी ने 100 बिस्तर के निर्माणाधीन अस्पताल का उल्लेख करते हुए आगे कहा कि केंद्रीय मंत्री श्री सिंधिया द्वारा क्षेत्र को दिए जाने वाला यह अस्पताल पिछोर की जनता के लिए एक बड़ी सौगात साबित होगा। इस अस्पताल के शुरू होने से अब हमारे क्षेत्रवासियों को इलाज के लिए बाहर नहीं भटकना पड़ेगा। यहाँ आधुनिक तकनीक की मशीनें उपलब्ध होंगी और गंभीर बीमारियों के ऑपरेशन भी अब स्थानीय स्तर पर पिछोर में ही संभव हो सकेंगे। विधायक श्री लोधी ने विश्वास जताया कि केंद्रीय मंत्री श्री सिंधिया के मार्गदर्शन में पिछोर विधानसभा में विकास का यह कारवां रुकने वाला नहीं है, और क्षेत्र के हर नागरिक तक बेहतर स्वास्थ्य और बुनियादी सुविधाएं पहुँचाने के लिए वे मिलकर हर संभव प्रयास करते रहेंगे। कार्यक्रम में कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा, पुलिस अधीक्षक श्रीमती यागचेंन डोलकर भूटिया, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नेहा यादव, जिलाध्यक्ष श्री जसमंत जाटव, पूर्व विधायक भैया साहब लोधी, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.संजय ऋषिश्वर सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, अधिकारी एवं स्थानीय ग्रामीण उपस्थित रहे।

मलेरिया से बचाव और उपचार को लेकर स्वास्थ्य विभाग की अपील

श्योपुर, जीएनएस। मलेरिया प्रकोप के दौरान सावधानी एवं समुचित उपचार जरूरी है। मलेरिया से बचाव के लिए घर के आसपास पानी जमा न होने दें। पानी की टंकियों और बर्तनों को ढक्कर रखें तथा कूलर का पानी नियमित रूप से बदलें। रात में सोते समय मच्छरदानी का प्रयोग करें। आवश्यकतानुसार मच्छर भगाने वाली क्रीम या रिपेलेंट का उपयोग करें और विशेषकर शाम एवं रात के समय पूरी आस्तीन के कपड़े पहनें। बुखार होने पर तुरंत कराएं जाँच तेज बुखार, ठंड लगना या कंपकंपी, पसीना, सिरदर्द और बदन दर्द जैसे लक्षण होने पर मलेरिया की जांच तुरंत कराएं। मलेरिया की जांच आरडीटी या रक्त स्मीयर के माध्यम से की जाती है। मलेरिया की पुष्टि होने पर स्वास्थ्यकर्मी या चिकित्सक की सलाह के अनुसार पूरा उपचार लें। दवा बीच में बंद न करें, भले ही बुखार ठीक हो जाए। बुखार होने पर स्वयं से मलेरिया की दवा न लें। बेहोशी, लगातार उल्टी, सांस लेने में कठिनाई, अत्यधिक कमजोरी या दौरे जैसे गंभीर लक्षण दिखाई देने पर तत्काल अस्पताल जाएं। जाँच एवं उपचार पूर्णतः निःशुल्क सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बम्हनी बंजर एवं समस्त आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में मलेरिया की जांच एवं उपचार पूर्णतः निःशुल्क उपलब्ध है। मलेरिया के लक्षण दिखाई देने पर तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र या अस्पताल पहुंचकर जांच कराएं। बुखार को हल्के में न लें, मलेरिया की जांच कराएं, समय पर पूरा उपचार पाएं और मच्छरों से बचाव करें।

नाम परिवर्तन सूचना

मेरा सही नाम केम समरीन फातमा (km samreen fatma) यही नाम मेरे शैक्षणिक दस्तावेज, वोटर कार्ड आदि में दर्ज हैं। जबकि मेरे आधार कार्ड में त्रटि बस मेरा नाम समरीन फातमा (samreen fatma) दर्ज हो गया है। केम समरीन फातमा (km samreen fatma) और समरीन फातमा (samreen fatma) दोनों नाम मुझ एक ही महिला के हैं। अतः इस प्रकाशन उपरांत मेरे आधार कार्ड एवं समस्त शासकीय/अशासकीय दस्तावेजों में मेरा नाम समरीन फातमा (samreen fatma) के स्थान पर मेरा सही नाम केम समरीन फातमा (km samreen fatma) पढ़ा लिखा व दर्ज किया जावें।

पुराना नाम	नया नाम
समरीन फातमा (samreen fatma)	केम समरीन फातमा (km samreen fatma)

पत्नी मोहम्मद रसीद
निवासी– पांच शिव बिहार कॉलोनी बेटनरी कॉलेज ग्राम हरनिया खेड़ी महू इंदौर मप्र

स्वामी, प्रकाशक , मुद्रक रामकिशन तायल 'फौजी' ने श्रमसाधना प्रिन्टर्स, भगवती निवास पारखजी का बाड़ा दौलतगंज, ग्वालियर से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादक : महेश तायल समाचार चयन हेतु पीआरबी एक्ट के तहत अधिकृत
e.mail- Shramsadhnagwl@gmail.com ph. 0751-2625029, 98270 17078, 9425007142 समाचार पत्र में प्रकाशित सभी आलेखों में लेखकों के अपने विचार हैं। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र ग्वालियर होगा।